mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-05 अंक-95 | पृष्ठ-8 | मूल्य-3 रूपये

सतना
08 अप्रैल 2025 मंगलवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

रिटायर नहीं होंगे...
@ पेज 7

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में भीषण सड़क हादसा, 11 लोगों की मौत

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में दर्दनाक हादसा हुआ है। यहां एक सड़क दुर्घटना में महिलाओं और बच्चों समेत कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई है। एक अधिकारी ने सोमवार को इस हादसे के बारे में जानकारी दी है। आपातकालीन बचाव सेवा के प्रवक्ता ने बताया कि एक यात्री बस और एक तीन पहिया वाहन के बीच दुर्घटना जरानवाला में हुई है। हादसे के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जुट गई। लोगों ने इस दौरान हर संभव मदद भी की। प्रवक्ता ने बताया कि बस जरानवाला से लाहौर जा रही थी तभी उसकी टक्कर तीन पहिया वाहन से हो गई। टत्तर के बाद बस सड़क से नीचे उतर गई। सड़क से नीचे उतरने के बाद बस अनियंत्रित होकर पलट गई। उन्होंने कहा, ÷आठ

यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 10 घायलों को अस्पताल ले जाया गया जहां तीन लोगों ने दम तोड़ दिया। घायलों में तीन और लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। आपातकालीन बचाव सेवा के प्रवक्ता ने कहा कि मृतकों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने दुर्घटना में लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है। सीएम मवाज ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वो घायलों को बेहतरीन चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराएं।

तांत्रिक की हरकतों से परेशान पाकिस्तानी महिलाओं ने उठाया खौफनाक कदम

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के लाहौर से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि यहां दो महिलाओं को गिरफ्तार किया गया है। महिलाओं पर आरोप है कि उन्होंने तांत्रिक की दुपट्टे से गला घोंटकर हत्या कर दी है। पुलिस ने बताया कि तांत्रिक बीते कई सालों से महिलाओं को उनके आपत्तिजनक वीडियो के जरिए ब्लैकमेल कर रहा था। इसी बात से परेशान होकर महिलाओं ने साजिश रची और वारदात को अंजाम दिया। महिलाओं ने पुलिस को बताया कि उन्होंने काले जादू से छुटकारा पाने के

लिए रियाज हुसैन से मदद मांगी थी। महिलाओं के मुताबिक तांत्रिक रियाज ने मदद के बहाने उनका आपत्तिजनक वीडियो बना लिया। इसके बाद तांत्रिक वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर उन्हें ब्लैकमेल करने लगा। पुलिस ने एक बयान में कहा, ÷जांच के दौरान पाया गया कि रियाज हुसैन तांत्रिक क्रिया की आड़ में लंबे समय से महिलाओं का यौन उत्पीड़न कर रहा था।÷ पुलिस के कहना है कि इस तरह के और भी मामले सामने आ सकते हैं। पाकिस्तान में कुछ समुदाय के लोग ऐसे तांत्रिकों पर भरोसा करते हैं जिसकी वजह से शोषण का शिकार भी होते हैं। पुलिस ने बताया कि महिलाओं ने इस पूरी वारदात को अंजाम देने में अपने चचेरे भाई और एक अन्य व्यक्ति की मदद ली। सभी ने मिलकर पहले साजिश रची और फिर तांत्रिक को मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने बताया कि चारों को हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

फ्लाइट के उड़ते ही महिला की हुई मौत, इंडिगो ने महाराष्ट्र के एयरपोर्ट पर कराई इमरजेंसी लैंडिंग

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई से वाराणसी जा रही इंडिगो एयरलाइंस की एक फ्लाइट को रविवार की रात महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करवानी पड़ी। कारण बताया गया कि फ्लाइट के टेक ऑफ करते ही 89 वर्षीय एक महिला यात्री की बीच रास्ते ही तबियत बिगड़ गई। लैंडिंग के बाद मेडिकल टीम तुरंत चेकअप करने पहुंची तब तक महिला की मौत हो चुकी थी।

इंडिगो के मुताबिक, यूपी के मिर्जापुर जिले की रहने वाली सुशीला देवी मुंबई से वाराणसी वाली फ्लाइट में बैठीं, फ्लाइट के उड़ान भरते ही सुशीला की तबियत खराब होने लगे, जिस कारण फ्लाइट को रात 10 बजे के आसपास चिकलथाना एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंड कराना पड़ा।

फ्लाइट के उतरते ही तेजी से मेडिकल टीम चेकअप के लिए पहुंची तो पता चला कि सुशीला देवी की पहले ही मौत हो चुकी। इसके बाद फ्लाइट के रवाना होने से पहले पुलिस स्टेशन ने जरूरी औपचारिकताएं पूरी कीं, फिर फ्लाइट वाराणसी के लिए रवाना हुई।

एयरलाइन ने आगे बताया कि पुलिस ने यात्री के शव को छत्रपति संभाजीनगर के एक सरकारी मेडिकल कॉलेज में ट्रांसफर कर दिया। घटना के बाद कुछ देर के लिए फ्लाइट में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। इंडिगों ने इस दुखद घटना पर पीड़ित परिजन के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है।

दिल्ली मेट्रो अब देश की सबसे छोटी मेट्रो का परिचालन भी शुरू करेगा

देश में पहली बार चलेगी 3 कोच की मेट्रो, 8 किमी का होगा कॉरिडोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश का सबसे बड़ा मेट्रो रेल नेटवर्क दिल्ली मेट्रो अब देश की सबसे छोटी मेट्रो का परिचालन भी शुरू करेगा। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) की तरफ से जारी बयान में बताया गया है कि लाजपत नगर-साकेत जी ब्लॉक तीन कोच की मेट्रो सेवा शुरू की जाएगी। भारत में यह पहली मेट्रो ट्रेन होगी, जिसमें सिर्फ तीन कोच होंगे। फिलहाल देश के अलग-अलग शहरों में चार, छह या आठ कोचों के साथ मेट्रो सेवा का संचालन किया जा रहा है।

डीएमआरसी आधिकारियों ने रविवार को एक बयान में कहा कि यह दिल्ली मेट्रो परियोजना के चौथे चरण का हिस्सा है। यह कॉरिडोर आठ किलोमीटर तक फैला होगा और डीएमआरसी नेटवर्क में दूसरा सबसे छोटा कॉरिडोर होगा। इस लाइन का उद्देश्य शहर के अंदरूनी हिस्सों तक कनेक्टिविटी को बढ़ाना और मौजूदा कॉरिडोर के साथ बिना किसी परेशानी के इंटरचेंज सुनिश्चित करना है। 3-कोच वाली ट्रेनों को विशेष रूप से कम दूरी की शहरी यात्रा के लिए विकसित किया गया है।डीएमआरसी ने कहा कि यह निर्णय यात्रियों की जरूरतों के वास्तविक आंकलन के आधार पर लिया गया है। जिन रूट पर यात्रियों की संख्या ज्यादा होती है, वहां लंबी दूरी वाली ट्रेनें चलाने की जरूरत होती है। इन ट्रेनों में कोच की संख्या भी ज्यादा होती है, लेकिन लाजपत नगर-साकेत खंड मुख्य रूप से कम दूरी के यात्रियों को सेवाएं प्रदान करता है, जिन्हें लगातार मेट्रो सेवा की जरूरत होती है, लेकिन यात्रियों की संख्या सीमित है। डीएमआरसी ने कहा कि कॉरिडोर का अनुमानित पीक ऑवर पीक डायरेक्शन ट्रैफिक (पीएचपीडीटी) अधिक क्षमता की आवश्यकता के बिना आरामदायक आवागमन की अनुमति देगा। तीन कोच वाली प्रणाली का उद्देश्य उच्च गुणवत्ता वाले शहरी मानकों को बनाए रखते हुए आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करना है। प्रत्येक कोच में लगभग 300 यात्रियों के बैठने और खड़े होने की क्षमता होगी।

दिल्ली मेट्रो में ग्लास में पी शराब, अंडे भी खाया, VIDEO वायरल होने पर DMRC की आपत्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें एक यात्री दिल्ली मेट्रो की ट्रेन में बैठकर शराब पीता हुआ नजर आ रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने बयान जारी किया है। DMRC ने अपने बयान में कहा कि मेट्रो में यात्री शराब पीते हुए दिखाई दे रहा है, ऐसा लग रहा है कि यह वीडियो यात्री द्वारा जानबूझकर बनाया गया था।

DMRC ने कहा कि मेट्रो ट्रेनों में खाना खाने और पेय पदार्थ पीने की अनुमति नहीं है। सभी यात्रियों से यह उम्मीद की जाती है कि वे मेट्रो सेवाओं का उपयोग करते समय जिम्मेदार व्यवहार दिखाएं और समाजिक शिष्टाचार एवं प्रोटोकॉल का पालन करें।

दिल्ली मेट्रो ने अपने बयान में अपील की है कि सभी यात्रियों को यात्रा करते समय सार्वजनिक परिवहन में शिष्टाचार बनाए रखना चाहिए। अगर कोई ऐसा अनुशासनहीन व्यवहार देखता है, तो उसे तुरंत नजदीकी मेट्रो स्टाफ या CISF कर्मियों को सूचित करना चाहिए, ताकि आवश्यक कार्रवाई की जा सके। DMRC ने स्पष्ट किया कि मेट्रो के अंदर शराब पीना प्रतिबंधित है और यात्रियों को ऐसी गतिविधियों में शामिल होने से बचने की सलाह दी जाती है।

'मुसलमानों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन'

वक्फ कानून के खिलाफ अब DMK पहुंची सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ बोर्ड संशोधन कानून 2025 के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अब तक कई याचिकाएं दायर हो चुकी हैं। अब इस कानून के खिलाफ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (DMK) पार्टी ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। ष्ठरूस्य ने इस कानून को चुनौती देते हुए कहा है कि यह कानून तमिलनाडु के लगभग 50 लाख मुसलमानों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है, साथ ही पूरे देश के करीब 20 करोड़ मुसलमानों के मौलिक अधिकारों का भी उल्लंघन करता है। वक्फ बोर्ड संशोधन कानून 2025 के खिलाफ अब तक सुप्रीम कोर्ट में जितनी भी याचिकाएं दायर की गई हैं, उनमें एक ही बात कही गई है कि यह मुसलमानों की धार्मिक स्वतंत्रता को छीनने की एक साजिश है। याचिकाओं में इस कानून को असंवैधानिक घोषित करने की मांग की गई है। याचिकाकर्ताओं ने दायर याचिकाओं सुप्रीम कोर्ट से जल्द सुनवाई की मांग की है।

अब तक सुप्रीम कोर्ट में कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद, AIMIM के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी, आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्लाह खान, एसोसिएशन फॉर द प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स (APCR), जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष

मौलाना अरशद मदनी, केरल की शीर्ष मुस्लिम बॉडी समस्थ केरल जमीयतुल उलेमा, एसडीपीआई, तैय्यब खान सलमानी, अंजुम कादरी और इंडियन मुस्लिम लीग ने याचिकाएं दायर की हैं।

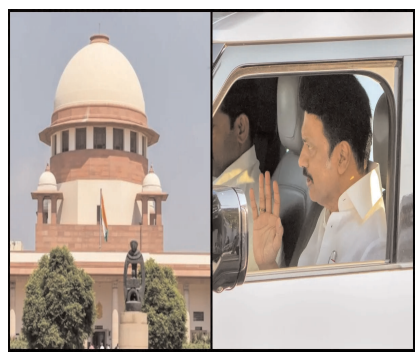

बता दें कि लोकसभा में इस बिल के पक्ष में 288 और विरोध में 232 वोट पड़े थे, जबकि राज्यसभा में इस बिल के पक्ष में 132 और इसके खिलाफ 95 वोट पड़े थे। संसद के दोनों सदनों से पास होने के बाद शनिवार को इस बिल को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई। इसके साथ ही यह कानून बन गया।

'बड़े शहरों में ऐसा होता रहता है'

लड़की से छेड़छाड़ के VIDEO पर कर्नाटक के गृह मंत्री का चौंकाने वाला बयान

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु में 4 अप्रैल को दो लड़कियों के साथ छेड़छाड़ की घटना हुई। सीसीटीवी कैमरे में दिखा कि एक युवक दो लड़कियों के पास आता है और उनमें से एक को जबरदस्ती दीवार की ओर धक्का देता है, फिर वहां से भाग जाता है। इस घटना पर कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कुछ ऐसा कह दिया है, जिसे लेकर बवाल खड़ा हो गया है।

दरअसल, कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर से मामले में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, इस तरह की घटनाएं बड़े शहरों में अक्सर होती रहती हैं। जो भी कानूनी कार्रवाई की जानी है, वह कानून के अनुसार की जाएगी। मैंने अपने कमिश्नर को बीट पेट्रोलिंग बढ़ाने का निर्देश भी दिया है। उनके इस बयान की कड़ी आलोचना हो रही है, क्योंकि लोग इसे अपराध को हल्के में लेने जैसा मान रहे हैं।

इस घटना को लेकर भाजपा ने सिद्धारमैया सरकार पर निशाना साधा है। विपक्षी पार्टी ने कहा है कि वायरल वीडियो ने शहर की कानून व्यवस्था की हकीकत को उजागर कर दिया है और दावा किया है कि बेंगलुरु महिलाओं के लिए ÷तेजी से असुरक्षित÷ होता जा रहा है।

यह घटना भारती लेआउट में 4 अप्रैल की रात 1.52 बजे के आसपास घटी। इस घटना के बाद दोनों लड़कियां रोते और चिल्लाते हुए दिख रही हैं। दिल दहला देने वाली पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। इसमें साफ देखा जा सकता है कि सड़क पर जा रही लड़की का अज्ञात व्यक्ति ने यौन उत्पीड़न किया। आरोपी घटना के तुरंत बाद मौके से भागने में कामयाब हो गया। सीसीटीवी में दिखा कि बीटीएम लेआउट इलाके में एक व्यक्ति संकरी गली में दो लड़कियों के पास जाता हुआ दिखाई देता है। सड़क सुनसान है और सड़क के एक तरफ कई दोपहिया वाहन खड़े हैं। वह व्यक्ति पीछे से दो लड़कियों के पास आता है और एक लड़की को छूता नजर आ रहा है।इसे लेकर बेंगलुरु पुलिस ने कहा कि अभी मामले की जांच चल रही है। दोषियों को जल्द पकड़ लिया जाएगा। हालांकि, पीड़िता ने अभी तक शिकायत दर्ज नहीं कराई है।

बाबा बागेश्वर ने वीरेंद्र सहवाग के साथ खेला क्रिकेट

जमकर लगे छक्के-चौके

मुंबई (एजेंसी)। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री इन दिनों 12 दिन के महाराष्ट्र के प्रवास पर हैं। भिवंडी में कथा के दौरान कई राजनेता और प्रसिद्ध क्रिकेट खिलाड़ी उनके दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग भी बागेश्वर बाबा के दर्शन के लिए पहुंचे। इस दौरान बाबा बागेश्वर और वीरेंद्र सहवाग दोनों ने क्रिकेट भी खेला।

बाबा बागेश्वर के क्क्क यानी बाबा प्रीमियर लीग में बाबा बागेश्वर 1/ह्य वीरेंद्र सहवाग का मैच हुआ। वीरेंद्र सहवाग बाबा बागेश्वर की गेंद पर छक्का मारते नजर आये तो वीरेंद्र सहवाग की बॉलिंग पर बाबा ने भी जमकर छक्के-चौके लगाए। बता दें कि महाराष्ट्र के भिवंडी में 12 दिनों की कथा में बाबा बागेश्वर के क्क्क का भी आयोजन किया जा रहा है। वीरेंद्र सहवाग ने सत्संग का लाभ लिया

सोमवार को भारतीय टीम के पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग भी बाबा बागेश्वर से मिलने पहुंचे जहां उन्होंने सर्वप्रथम बालाजी भगवान के दर्शन किए। दर्शन के बाद लगभग एक घंटे तक बाबा बागेश्वर के साथ वीरेंद्र सहवाग ने सत्संग का लाभ लिया। इसके बाद कथा स्थल के बगल में स्थान में क्रिकेट मैच का भी आयोजन हुआ। मैच में पहले वीरेंद्र सहवाग ने बल्लेबाजी की और बागेश्वर महाराज तथा सेवादारों ने बॉलिंग और फील्डिंग की। इसके बाद बागेश्वर महाराज ने भी वीरेंद्र सहवाग की बोलिंग पर जमकर शॉट्स लगाए।

दिल्ली में चाकू मारने से पहले लड़के ने की थी लड़की से मारपीट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में हुए चाकूबाजी में दोनों यानी लड़का और लड़की का इलाज दीनदयाल हॉस्पिटल में चल रहा है। इसी बीच दिल्ली के सदर बाजार से एक सीसीटीवी वीडियो सामने आया है, जिसमें 4 बजे के करीबन अमित लड़की से मारपीट करते हुए नजर आ रहा है। साथ ही लड़की की बहन भी मीडिया के सामने आई है और उसने कहा कि हम अमित को पहले से नहीं जानते हैं।

सदर बाजार के एक दुकान की सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा कि अमित लड़की को बार-बार रास्ता रोक कर कुछ कह रहा है, जबकि लड़की उससे पीछा छुड़ाने की कोशिश करती है। इसके बाद अमित लड़की से धक्का-मुक्की करता भी दिखाई दे रहा है। जानकारी दे दें कि दिल्ली कैंट इलाके में रविवार रात को अमित ने लड़की पर चाकू से ताबड़तोड़ कई वार किए और खुद को भी चाकू मारकर घायल कर लिया। पुलिस को एक राहगीर ने रात 11.00 बजे फोन कर घटना की जानकारी दी।

अप्रैल महीने में क्यों बढ़ रही गर्मी, क्या है बढ़ते तापमान की वजह?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अप्रैल का महीना अभी शुरू ही हुआ है लेकिन भीषण गर्मी पड़ना शुरू हो चुका है। तापमान में लगातार बढ़ोतरी होती दिख रही है। मौसम विभाग का अनुमान है कि आने वाले दिनों में खूब गर्मी पड़ेगी। अगर

● मौसम विभाग का अनुमान है कि आने वाले दिनों में खूब गर्मी पड़ेगी

दिल्ली की बात करें तो यहां रविवार को अधिकतम तापमान 38.2 डिग्री सेल्सियस रहा था जोकि इस मौसम में 3.1 डिग्री ज्यादा है। वहीं न्यूनतम तापमान गिरकर 18.5 डिग्री पहुंच गया था। मौसम विभाग का अनुमान है कि यूपी, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और पंजाब में आने वाले समय में भीषण गर्मी पड़ेगी। दरअसल समुद्र का तापमान तेजी से बढ़ रहा है, इसी वजह से भारत में गर्मी भी तेजी से बढ़ रही है। समुद्र के तापमान बढ़ने की ये वजहें हैं- जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग,समुद्री धाराओं में बदलाव, क्लाइमेट साइकिल,पोलर आइस का पिघलना।

दरअसल ग्लोबल वार्मिंग से वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसेज की मात्रा बढ़ रही है, जो समुद्र का तापमान बढ़ा रही है। इससे देश में गर्मी बढ़ रही है। वहीं जलवायु परिवर्तन और क्लाइमेट साइकिल भी समुद्र के तापमान में बदलाव कर रहा है। इसके अलावा समुद्री धाराओं में बदलाव की वजह से भी समुद्र के तापमान में उथल पुथल दिख रही है। पोलर आइस का पिघलना भी समुद्र के तापमान में बदलाव का एक अहम कारण है। इन सभी कारणों से समुद्र का तापमान बढ़ रहा है, जिसका असर देश के मौसम पर भी पड़ रहा है। हालही में मौसम विभाग ने कहा था कि देश में अप्रैल से जून तक तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है और मध्य एवं पूर्वी भारत और उत्तर-पश्चिमी मैदानी इलाकों में अधिक दिन लू चल सकती है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने बीते सोमवार को यह बात कही थी। आईएमडी प्रमुख मृत्युंजय महापात्रा ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पश्चिमी और पूर्वी भारत के कुछ क्षेत्रों को छोड़कर देश के अधिकांश भागों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहेगा। पश्चिमी और पूर्वी भारत के कुछ क्षेत्रों में तापमान सामान्य रहने की संभावना है। उन्होंने कहा था कि अधिकांश क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान भी सामान्य से अधिक रहने की संभावना है।मौसम विभाग ने कहा, अप्रैल से जून तक उत्तर और पूर्वी भारत के अधिकांश हिस्सों, मध्य भारत और उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में सामान्य से दो से चार दिन अधिक लू चलने की संभावना है। आमतौर पर भारत में अप्रैल से जून तक चार से सात दिन तक लू चलती है। जिन राज्यों में सामान्य से अधिक दिन लू चलने की संभावना है उनमें राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, पंजाब, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश तथा कर्नाटक और तमिलनाडु के उत्तरी हिस्से शामिल हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव 8 अप्रैल को जनता को समर्पित करेंगे विवेकानंद नीडम आरओबी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ग्वालियर में विवेकानंद नीडम के समीप नवनिर्मित आरओबी (रेलवे ओवर ब्रिज) 8 अप्रैल को जनता को समर्पित करेंगे। इसके साथ ही इस आरओबी से विधिवत आवागमन शुरू हो जाएगा। आरओबी की सुविधा जल्द से जल्द शहरवासियों सहित जिले की जनता को उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश पर आरओबी पर विद्युतीकरण सहित रोशनी के लिए पोल व रेडियम लगाना, रोड फर्निशिंग एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप सुगम यातायात के लिए शेष काम युद्ध स्तर पर पूरे किए जा रहे हैं। इस आरओबी के शुरू होने पर लश्कर, कम्पू, आमखो इत्यादि क्षेत्र के निवासी नाका चंद्रबदनी से विवेकानंद नीडम होते हुए कलेक्ट्रेट पहुँच सकेंगे। साथ ही आगरा-झाँसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर सीधे जा सकेंगे। इससे समय की बचत के साथ दूरी भी कम तय करनी पड़ेगी।

वीडियो वायरल होने पर फील्ड स्टाफ पर होगी कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। कूनो आगरा रेंज की सीमा के पास मानव बस्ती के करीब कृषि क्षेत्र में घूम रहे चीता ज्वाला और उसके 4 शावक के नजदीक जाकर पानी पिलाने और उसका वीडियो वायरल करने पर फील्ड स्टाफ के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। वन विभाग द्वारा जानकारी दी गयी कि सामान्य तौर पर निगरानी टीम को निर्देश दिये गये हैं कि जब भी ऐसी स्थिति उत्पन्न हो तो चीता को जंगल की ओर वापस मोड़ने एवं लुभाने के प्रयास किये जायें, जिससे मानव-चीता संघर्ष की स्थिति न बने। साथ ही जब भी चीता कृषि क्षेत्र में या मानव बस्ती के करीब जाता है, ऐसी स्थिति में संबंधित रेंज से अतिरिक्त स्टाफ बुलाया जाता है। इस प्रकरण में भी आगरा रेंज से अतिरिक्त फील्ड स्टाफ बुलाया गया था। वन विभाग की ड्यूटी के लिये आगरा रेंज के कूनो डब्ल्यूएलडी में रखे गये वाहन चालक ने ज्वाला और उसके 4 शावकों को स्टील के कटोरे में पानी पिलाया, जबकि ऐसी स्थिति में दूर रहने के स्पष्ट निर्देश हैं और निगरानी दल को चीतों को नजदीक से संभालने का प्रशिक्षण भी दिया गया है। केवल अधिकृत कर्मचारी ही किसी विशेष कार्य के लिये चीते के नजदीक जा सकता है। इस घटना में फील्ड स्टाफ ने निर्देशों का उल्लंघन किया और अनुशासनहीनता दिखायी। साथ ही अनुशासन और निर्देश की अवहेलना करते हुए वीडियो बनाकर वायरल किया गया। इस कारण कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

डगवेल पद्धति से एक लाख कुओं को करेंगे रिचार्ज

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत मध्यप्रदेश सरकार डगवेल रिचार्ज पद्धति से प्रदेश के एक लाख कुओं को रिचार्ज करने जा रही है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। सरकार की इस पहल से रबी की फसलों की सिंचाई के लिए किसानों को स्थायी जल स्रोत उपलब्ध कराए जा सकेंगे। इस योजना में उन्हीं कुओं का चयन होगा, जिनका जल स्तर 10 मीटर से अधिक है और जो बरसात के बाद दिसंबर-जनवरी तक जल से भरे रहते हैं। इसके साथ ही मनरेगा के अंतर्गत बने कपिलधारा कुओं को भी योजना में शामिल किया जा सकता है, बशर्ते उनमें पहले से रिचार्ज पिट का निर्माण न हुआ हो। रिचार्ज पिट या फिल्टर कुएं से 3 से 6 मीटर की दूरी पर बनाया जाएगा। इसमें विभिन्न आकार के पत्थर और मोटे रेत की परतें बिछाई जाएंगी। पाइपलाइन की मदद से पानी सीधे कुएं तक पहुंचेगा और वहां से प्राकृतिक रूप से जलस्तर को रिचार्ज करेगा।

मंत्री टेटवाल को डी लिट की मानद उपाधि से किया गया समानित

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। शिक्षा, तकनीकी नवाचार और कौशल विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल को अमलतास विश्वविद्यालय, देवास के दीक्षांत समारोह में डॉक्टर ऑफ लिटरेचर की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया।

मंत्री श्री टेटवाल को यह उपाधि शिक्षा को रोजगारोन्मुख बनाने, युवाओं को तकनीकी दक्षता से जोड़ने तथा आधुनिक और व्यावहारिक शिक्षा व्यवस्था को बढ़ावा देने के उनके सतत प्रयासों के लिए प्रदान की गई है।

उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. इंदर सिंह परमार ने उन्हें डी. लिट की मानद उपाधि प्रदान कर सम्मानित किया। मंत्री मंत्री श्री टेटवाल ने कहा कि यह सम्मान उनके लिए जीवन का

गौरवपूर्ण क्षण है। उन्होंने कहा कि यह केवल उनका व्यक्तिगत नहीं, बल्कि उन सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों, तकनीकी विशेषज्ञों और युवाओं का सम्मान है, जो अपने ज्ञान व कौशल के माध्यम से प्रदेश और देश के विकास में योगदान दे रहे हैं। मंत्री श्री टेटवाल ने कहा कि शिक्षा और तकनीक आज के युग की सबसे बड़ी शक्ति है और उनका सदैव प्रयास रहा है कि शिक्षा को रोजगार से जोड़ते हुए युवाओं को आत्मनिर्भर बनाया जाए।

मंत्री श्री टेटवाल सारंगपुर विधानसभा क्षेत्र से दूसरी बार विधायक निर्वाचित हुए हैं। उनके नेतृत्व में मध्यप्रदेश में तकनीकी शिक्षा, औद्योगिक प्रशिक्षण एवं डिजिटल कौशल के क्षेत्र में कई नवाचार हुए हैं।

उन्होंने प्रदेश में नई तकनीकी संस्थाओं की स्थापना, नवीन रोजगारपरक पाठ्यक्रमों की शुरुआत तथा ग्रामीण-शहरी युवाओं को आधुनिक शिक्षा से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं।

दीक्षांत समारोह में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षाविदों और तकनीकी विशेषज्ञों की उपस्थिति रही। अमलतास विश्वविद्यालय परिवार द्वारा मंत्री श्री टेटवाल को इस उपलब्धि पर बधाई और शुभकामनाएं दी गईं।

बेहतर स्वास्थ्य सेवा के लिये राज्य सरकार प्रतिबद्ध-स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ देने के लिये राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य से जुड़ी सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। मंत्री श्री सिंह नरसिंहपुर जिले के विकासखण्ड साईंखेड़ा के अंतर्गत आने वाले ग्राम डुंगरिया में 65 लाख रुपये लागत से नव-निर्मित उप स्वास्थ्य केन्द्र और सीएचओ आवासीय भवन के लोकार्पण के बाद जन-समुदाय को संबोधित कर रहे थे।

मंत्री श्री सिंह ने कहा कि इस स्वास्थ्य केन्द्र में मरीजों की बीपी, शुगर की जाँच,

गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण और टीकाकरण किया जा सकेगा। मरीजों को यहाँ निःशुल्क दवाइयाँ उपलब्ध रहेंगी। उन्होंने ग्रामीणों को आयुष्मान कार्ड के महत्व के बारे में बताया। जल गंगा संवर्धन अभियान की चर्चा करते हुए श्री सिंह ने कहा कि इस महत्वपूर्ण कार्य में जिले में जन-भागीदारी अधिक से अधिक हो, इसके लिये सभी के प्रयास की जरूरत है। उन्होंने करीब 3 करोड़ 75 लाख रुपये लागत के पनागर से डुंगरिया मार्ग का भूमि-पूजन भी किया।

दिव्यांग छात्रावास की स्थापना एवं संचालन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश के संभागीय मुख्यालयों पर दिव्यांग विद्यार्थियों के लिये 50 सीटर बालक और 50 सीटर बालिका दिव्यांग छात्रावास निर्माण के लिये प्रति इकाई 3 करोड़ 50 लाख रुपये की स्वीकृति स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा लोक निर्माण विभाग को दी गयी है।

दिव्यांग छात्रावास का निर्माण संभागीय मुख्यालय पर स्थित ऐसे स्कूलों में किया जायेगा, जहाँ सह-शिक्षा उपलब्ध है। वर्तमान में ऐसे दिव्यांग विद्यार्थी, जो कक्षा 8वीं तक की शिक्षा राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा संचालित छात्रावास में रहकर पास करते हैं, उन दिव्यांग विद्यार्थियों को कक्षा-9 और उससे ऊपर की कक्षाओं में पढ़ाई के लिये राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा संचालित छात्रावास में व्यवस्था की गयी है। स्वीकृत छात्रावासों में से ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन, शहडोल तथा नर्मदापुरम में निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। शेष संभागीय मुख्यालयों में कार्य प्रगति पर है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग पर प्रशिक्षण भोपाल। मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, भोपाल द्वारा कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से 7 से 9 अप्रैल तक 3 दिवसीय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग पर आधारित फसल उपज मॉडलिंग प्रशिक्षण का आयोजन विज्ञान भवन भोपाल मे किया जा रहा है। प्रशिक्षण में मध्यप्रदेश समेत देश के विभिन्न राज्यों के लगभग 100 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य कृषि क्षेत्र में तकनीकि विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग तकनीकि का प्रचलन बढ़ाना है7 इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मॉडलों जैसे तथा डीप लर्निंग तकनीकों पर, राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र, इसरो, हैदराबाद, मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, भोपाल एवं महालनोबिस राष्ट्रीय फसल पूर्वानुमान केंद्र, नई दिल्ली के विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया जायेगा 7 आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग आधारित फसल उपज मॉडलिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रतिभागियों को रिमोट सेंसिंग तकनीकि का उपयोग करके सटीक फसल उपज अनुमान के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान प्रदान करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। इसका लक्ष्य फसल बीमा दावा निपटान प्रक्रियाओं में पारदर्शिता बढ़ाना है।

मप्र-गुजरात के बीच नर्मदा में इलेक्ट्रिक क्रूज चलेगा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मप्र और गुजरात के बीच स्टेच्यू यूनिटी के पास बहुत जल्द क्रूज शुरू हो जाएगा। पहली बार प्रदेश में इलेक्ट्रिक क्रूज चलाए जाने की तैयारी है। इसके लिए पर्यटन बोर्ड ने बिड जारी कर दी है। साथ ही मप्र और गुजरात के बीच क्रूज चलाने को लेकर एमओयू भी कर लिया है।

यह क्रूज नर्मदा नदी में महेश्वर और मांडू के पास धार जिले में मेघनाद घाट के पास से चलाया जाएगा।

बता दें कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) में इसको लेकर चर्चा हुई थी और कुछ कंपनियों से एमओयू भी किया गया था। उसके बाद बोर्ड के अधिकारियों ने इन कंपनियों से चर्चा करके उन्हें इलाके का भ्रमण भी करवा दिया है। कंपनियों को लोकेशन पसंद आ गई है और इस पर काम शुरू हो गया है।

क्रूज शुरू होने के बाद मप्र के हिस्से में नर्मदा नदी किनारे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और पर्यटक जलमार्ग के जरिए मप्र से गुजरात तक की रोमांचक यात्रा कर सकेंगे। बोर्ड के अधिकारियों ने बताया कि क्रूज पर शराब का सेवन और नॉनवेज पूरी तरह प्रतिबंधित रहेंगे। क्रूज का रूट ऐसा बनाया जाएगा, जिसमें महेश्वर के राजसी घाटों और किले से लेकर मांडू की ऐतिहासिक इमारतों और ओंकारेश्वर तक की यात्रा हो सके।

पर्यटन विभाग के अफसरों ने मेघनाद घाट पर दो जेटी (प्लेटफॉर्म) का निरीक्षण भी कर लिया है और बेकवाटर लेवल की स्थिति को जांच लिया है। पर्यटन विभाग के सहायक संचालक अनिमेष श्रीवास्तव और प्रोजेक्ट से जुड़े अफसरों ने एक क्रूज कंपनी के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर ली है। बोर्ड के अफसरों से जब पूछा कि एनजीटी ने वॉटर बॉडी में क्रूज के संचालन पर रोक लगा रखी है, तो अफसरों की तरफ से जवाब आया कि इसको लेकर भ्रम है।

कई कॉलोनियों में 50-60 प्रतिशत बढ़ेगा टैक्स, मेयर-पार्षदों के इलाके छोड़े

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। नया वित्त वर्ष आपकी जेब पर भारी पड़ सकता है। भोपाल नगर निगम ने बजट में प्रॉपर्टी टैक्स में 10त्न की सीधी बढ़ोतरी तो की ही। अब कई कॉलोनियों का परिक्षेत्र भी बदल दिया है। यानी प्रॉपर्टी टैक्स को भी जोड़ दें तो कई इलाकों में टैक्स सीधा 50 से 60त्न तक बढ़ सकता है। हैरत की बात है कि महापौर मालती राय के वार्ड 36, पार्षद लक्ष्मण राजपूत (गोंदरमऊ), अशोक वाणी (वार्ड 69), देवेंद्र भार्गव (वार्ड 12) जैसे कई इलाकों को परिक्षेत्र में अपग्रेड नहीं किया गया है। वहां सिर्फ 10त्न सामान्य बढ़ोतरी लागू होगी, जबकि इन वार्डों में बड़े बंगलों व कॉलोनियों की संख्या बढ़ी है।

यहां बढ़ेंगे दाम... गुफा मंदिर, प्रभु नगर, नीलकंठ कॉलोनी, ईदगाह हिल्स, आकृति गार्डन (नेहरू नगर), मन्नीपुरम, शिव नगर, हिर्नौतिया, 80 फीट मेन रोड, रोहित नगर, मिसरोद, सुरेंद्र पैलेस, सहयोग विहार, नारायण नगर, विद्या नगर, चिनार फार्चुन सिटी, भेल संगम, आशिमा मॉल, सुरेंद्र गार्डन, आदर्श नगर, साकेत नगर 9-ए/बी, निरुपम एस्टेट, दानिश नगर, इंडस पार्क, मीनाल रेसीडेंसी, सुरभि परिसर, ऋषि विला कॉलोनी, शिखर एस्टेट, साक्षी ढाबा, केरवा डैम रोड।

जल संरक्षण के कार्यों में समाज के प्रत्येक वर्ग का मिल रहा है सहयोग

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में 30 मार्च से शुरू किये गये जल गंगा संवर्धन अभियान को अब समाज के प्रत्येक वर्ग का सहयोग मिल रहा है। अभियान के जरिये कुओं, नदियों, तालाबों, बावड़ियों के साथ स्टॉप डेम के आसपास साफ-सफाई और गहरीकरण के कार्य को प्राथमिकता के साथ किया जा रहा है। जन-भागीदारी के कार्यों में प्रशासनिक अमला भी कँधे से कँधा मिलाकर सहयोग कर रहा है।

छिंदवाड़ा में कलेक्टर श्री शीलेंद्र सिंह के निर्देशन में जन-अभियान परिषद ने छोटा तालाब के कुण्ड की साफ-सफाई का कार्य शुरू किया।

कार्य में नगर निगम के स्वच्छता ब्रॉण्ड एम्बेसडर श्री विनोद तिवारी, विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों और वॉलेंटियर्स ने श्रमदान किया। कुण्ड में पॉलिथीन और बेकार सामग्री को हटाया गया। सफाई कार्य के दौरान नागरिकों को शहर के खूबसूरत छोटे तालाब को साफ रखने का संकल्प दिलाया गया। जन-अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री अखिलेश जैन ने बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान 30 जून तक निरंतर जारी रहेगा। परिषद के सहयोग से जिलेभर में नुक्कड़ नाटक एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिये जन-सामान्य में जल-स्रोतों को साफ रखने के प्रति जन-जागरूकता लायी जायेगी।

देवास जिले में कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह और जिला पंचायत सीईओ श्री हिमांशु प्रजापति की देख-रेख में जल गंगा संवर्धन अभियान में जल-स्रोतों की सफाई का कार्य हाथ में लिया गया है। ग्राम पंचायत ननासा में तालाब के गहरीकरण का कार्य किया गया। बागली विकासखण्ड की ग्राम पंचायत हैदरपुर में जन-सहयोग से नदी-नालों के गहरीकरण का कार्य किया जा रहा है।

हरित विकास और पर्यावरण संरक्षण के लिये मुयमंत्री नगरीय विकास योजना

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने प्रदेश के नगरीय क्षेत्र में हरित स्थान विकास और सौन्दर्यपरक पर्यावरण के लिये मुख्यमंत्री नगर विकास योजना के क्रियान्वयन का निर्णय लिया है। पाँच वर्ष की इस योजना में वर्ष 2028-29 तक के लिये 750 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। यह योजना राज्य सरकार द्वारा अपने वित्तीय संसाधनों से संचालित करेगी। विभाग द्वारा प्रत्येक नगर वन के विकास के लिये अधिकतम 2 करोड़ 50 लाख रूपये की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जायेगी। योजना में न्यूनतम क्षेत्रफल प्रति एकड़ 10 लाख रूपये नगर वन के सृजन के लिये नगरीय निकायों को अनुदान स्वरूप दिये जाएंगे। योजना के संबंध में नगरीय निकायों को निर्धारित प्रावधान के अनुसार प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिये गये है।

प्रदेश में नगरीय क्षेत्रों में जन-भागीदारी से नागरिकों की सुविधा के लिये अद्योसंरचना विकास के लिये मुख्यमंत्री जन-सहभागिता निर्माण'' योजना चलाने का भी निर्णय लिया है। योजना में 150 करोड़ रूपये प्रति वर्ष के मान से 5 वर्षों के लिये 750 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। योजना में प्रतिवर्ष नगरपालिक निगमों के लिये 5 करोड़ रूपये, नगरपालिकाओं को एक करोड़ रूपये और नगर परिषदों को 25 लाख रूपये का अनुदान दिया जाएगा। जन-भागीदारी एवं राज्य शासन की आर्थिक सहायता का अनुपात समान रूप से 50-50 प्रतिशत रहेगा। योजना में नगरीय क्षेत्र के मोहल्लों में सीमेंट- कांक्रिट निर्माण, सीवरेज की उचित व्यवस्था के साथ कचरे के निपटान की उचित व्यवस्था को वरीयता दी जाएगी। योजना का क्रियान्वयन वर्ष 2028-29 तक किया जाएगा।

प्रदेश में नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने शासकीय वाहनों को 80 प्रतिशत तक इलेक्ट्रिक वाहनों में परिवर्तित करने का कार्यक्रम बनाया है। भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर और उज्जैन को ईव्ही मॉडल सिटी के रूप में विकसित किया जाएगा। प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहन के लिये हर 20 कि.मी. पर चार्जिंग स्टेशन और हाई-वे पर 100 कि.मी. पर फास्ट चार्जिंग सुविधा स्थापित करने का कार्य शुरू कर दिया गया। मध्यप्रदेश की ईव्ही नीति में सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन खोलने पर सब्सिडी का प्रावधान भी किया गया है।

इसके अलावा प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजनांतर्गत 6 शहरों भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, सागर और उज्जैन में 552 शहरी बसों के संचालन पर तेजी से कार्य किया जा रहा है।

ई-ऑफिस प्रणाली मंत्रालय में लागू, लेकिन जिलों में अटकी... अब 21 तक की डेडलाइन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मंत्रालय में शुरू की गई ई-ऑफिस प्रणाली? यानी फाइल ऑनलाइन भेजने का काम डायरेक्टोरेट (संचालनालय) और जिलों में जाकर अटक गया है। हाल यह है कि 55 में से केवल 4 से 5 जिलों में ही कुछ दस्तावेज ऑनलाइन भेजे जा रहे हैं। बाकी अभी भी फिजीकल आ रहे हैं। विंध्याचल और सतपुड़ा में लगने वाले कार्यालयों में भी इसे अभी पूरी तरह लागू नहीं किया जा सका है। इस देरी को देखते हुए सामान्य प्रशासन विभाग की तरफ से डायरेक्टोरेट और जिलों में ई-ऑफिस प्रणाली लागू करने के लिए 21 अप्रैल तक डेडलाइन बढ़ाने की तैयारी है। ई-ऑफिस प्रणाली सबसे पहले मुख्य सचिव कार्यालय में इसे लागू किया गया। इसके बाद 31 जनवरी तक सभी विभागाध्यक्षों को अपने यहां ई-ऑफिसप्रणाली लागू करवानी थी। लेकिन इस स्तर पर लगातार देरी हुई। वहीं जिला कार्यालयों में 31 मार्च से ईङ्कऑफिस प्रणाली लागू करवानी है। हाल यह है कि मंत्रालय स्थित चीफ सेक्रेटरी (सीएस) ऑफिस की तरफ से ई-ऑफिस प्रणाली में देरी के चलते फरवरी में हिदायत देनी पड़ी। इसके बाद सामान्य प्रशासन विभाग की तरफ से सभी विभाग के अपर सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव समेत सभी अधिकारियों को लिखा है कि केवल ईङ्कऑफिस से ही फाइल भेजें।

समय पर नहीं किया ज्वाइन 38 डॉक्टर्स की नियुक्ति रद्द

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मप्र सरकार ने 38 चिकित्सा शिक्षकों की नियुक्ति रद्द कर दी है। ये नियुक्तियां प्राध्यापक, सह प्राध्यापक और सहायक प्राध्यापक के पद पर हुई थीं। नियुक्ति के आदेश नवंबर 2024 से मार्च 2025 के बीच जारी हुए थे। शर्त थी कि तय समय पर कार्यभार ग्रहण करना होगा। अतिरिक्त समय मिलने के बाद भी डॉक्टर्स ने ज्वॉइन नहीं किया, इसलिए नियुक्ति रद्द कर दी गई। इनकी पोस्टिंग मंदसौर, नीमच, सतना, सिवनी, सिंगरौली और श्योपुर मेडिकल कॉलेज में थी। प्रोग्रेसिव मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. राकेश मालवीय का कहना है कि सेवा शर्तें खराब हैं। डॉक्टर्स को सर्विस प्रोटेक्शन नहीं मिलती।

कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने दिये निर्देश

गेंहू उपार्जन तथा पेयजल आपूर्ति के लिए करें प्रबंध

सीएम हेल्पलाइन में 50 दिन से अधिक की शिकायतें हर हाल में निराकृत करें

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने कहा कि सभी अधिकारी सीएम हेल्पलाइन में 50 दिन से अधिक समय से लंबित शिकायतों का हर हाल में निराकरण करें। अधिकारी स्वयं आवेदनों का परीक्षण करके उनमें समुचित कार्यवाही करें। आवेदक से चर्चा करके संतुष्टिपूर्वक प्रकरण निराकृत करें। समाधान आनलाइन के एजेण्डा बिन्दुओं में भी लंबित सीएम हेल्पलाइन की दो हजार से अधिक शिकायतों का तीन दिवस में निराकरण करें। ऊर्जा, खाद्य, राजस्व, ग्रामीण विकास विभाग, नगरीय निकाय, श्रम, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारी समाधान आनलाइन में लंबित आवेदनों के निराकरण पर विशेष ध्यान दें। सभी एसडीएम पटवारियों की ड्यूटी लगाकर सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों में प्रतिवेदन दर्ज कराएं। खसरे में सुधार तथा नामांतरण के आवेदनों का तत्परता से निराकरण कराएं।

कलेक्टर ने कहा कि गत तीन दिवसों में सीएम हेल्पलाइन के एजेण्डा बिन्दुओं में लंबित 655 शिकायतों का निराकरण किया गया है। शेष प्रकरणों पर भी तत्परता से कार्यवाही करें। जिन विभागों के प्रकरण सीएम हेल्पलाइन में बड़ी संख्या में लंबित हैं उनकी समीक्षा बैठक 11 अप्रैल को प्रातः 11 बजे से आयोजित की जा रही है। सभी अधिकारी लंबित प्रकरणों के साथ बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें। कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण में समुचित ध्यान न देने पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा कार्यपालन यंत्री जल संसाधन के विरूद्ध कार्यवाही के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अधीक्षण यंत्री विद्युत मण्डल को बिजली की आपूर्ति, बिजली बिलों में सुधार तथा ट्रांसफार्मर बदलने के आवेदनों का तीन दिवस में निराकरण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अधिकारियों को सीएम हेल्पलाइन में विभाग की ग्रेडिंग में सुधार के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि जिला योजना समिति की 17 अप्रैल को बैठक प्रस्तावित है। सभी अधिकारी गत बैठक के निर्देशों पर कार्यवाही तथा निर्धारित एजेण्डा बिन्दुओं की जानकारी दो दिवस में अनिवार्य रूप से उपलब्ध करा दें। विभाग की अद्यतन जानकारी के साथ बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित भी रहें। जिले भर में समर्थन मूल्य पर गेंहू का उपार्जन शुरू हो गया है। जिला प्रबंधक सहकारी बैंक, जिला आपूर्ति अधिकारी तथा जिला प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम सभी खरीदी केन्द्रों में किसानों के लिए आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करें। खरीदी केन्द्र में उपार्जित गेंहू की तौल, स्टेग लगाने तथा समुचित भण्डारण की भी व्यवस्था करें। सभी खरीदी केन्द्रों में आगामी 15 दिनों की खरीद के लिए बारदाना उपलब्ध करा दें। कलेक्टर ने कहा कि गर्मी बढ़ने के साथ पेयजल से जुड़ी शिकायतें बढ़ने लगी हैं। कार्यपालन यंत्री पीएचई, जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा मुख्य नगर पालिका अधिकारी सभी बसाहटों में पेयजल की समुचित आपूर्ति की व्यवस्था करें। खराब हैण्डपंपों के सुधार तथा बंद नलजल योजनाओं को चालू करने के लिए अभियान चलाएं। जो नलजल योजनाएं पूरी हो गई हैं उन्हें ग्राम पंचायतों को हैण्डओवर करके उनका नियमित संचालन सुनिश्चित करें। सभी एसडीएम और तहसीलदार फार्मर रजिस्ट्री निर्धारित लक्ष्य के अनुसार कराएं। जिले के सभी बसाहटों में आवागमन की सुविधा देने के लिए सम्पर्कता एप में समुचित जानकारी तय समय सीमा में दर्ज कराएं। समग्र पोर्टल में ई केवाईसी तथा खाद्य सुरक्षा योजना के हितग्राहियों की ई केवाईसी का कार्य भी 15 अप्रैल तक अनिवार्य रूप से पूरा कराएं। सभी एसडीएम इसकी नियमित समीक्षा करके रिपोर्ट प्रस्तुत करें। रीवा-सीधी सड़क के फोरलेन में उन्नयन से संबंधित भू अर्जन के प्रस्ताव शीघ्र निराकृत करें।

कलेक्टर ने कहा कि ई आफिस के संबंध में ई मेल बनाकर निर्धारित प्रपत्र में दो दिवस में जानकारी प्रस्तुत करें। जो कार्यालय ई आफिस में आनबोर्ड हो गए हैं वे अब आनलाइन माध्यम से ही फाइलों का परिचालन करें। जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रत्येक ग्राम पंचायत में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संरक्षण के कार्य शुरू कराएं। बैठक में अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी, एसडीएम हुजूर वैशाली जैन, एसडीएम गुढ़ अनुराग तिवारी, एसडीएम त्योंथर संजय जैन, एसडीएम सिरमौर आरके सिन्हा, एसडीएम मनगवां पीएस त्रिपाठी, एसडीएम जवा पीयूष भट्ट, संयुक्त कलेक्टर पीके पाण्डेय, संयुक्त कलेक्टर श्रेयस गोखले तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जल संरक्षण को लेकर जवा में की गई बैठक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जवा में गर्मी का मौसम आते ही तराई क्षेत्र में पानी की विकराल समस्या पैदा हो जाती है जिसे लेकर मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा चयनित नवांकुर संस्था मंगल युवा कल्याण समिति अध्यक्ष सत्येद्र सिंह द्वारा आदर्श ग्राम ऊँचाडीह के खोखला तालाब में स्थित माता जी के स्थल पर बैठक कर जल संरक्षण संबंधी चर्चाएं हेतु बैठक की गई। जहा पर संस्था सदस्यों से जल संरक्षण के द्वारा तालाबो में पानी को कैसे रोका जा सके व गर्मी में लोगो एवं पशुओं को पानी कैसे उपलब्ध कराया जा सके बृहद चर्चा की गई। बैठक के दौरान बेला आदिवासी, मनीषा देवी, रामायण कोल, अजय, रमेश, विजय सुरेश, अजायब लाल और संस्था सदस्य देवेंद्र कुमार मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

अयोध्या सा सजेगा मानस भवन, श्री रामजन्मोत्सव आज शाम को

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। संस्कृतिधानी रीवा नगर के हृदय स्थल मानस भवन में 08 अप्रैल को शाम 05:00 बजे से हिन्दू धर्म परिषद महिला शाखा के तत्वाधान में मानस मंडल और रिदम म्यूजिकल ग्रुप के संयुक्त सहयोग से अयोध्या में मनाये जा रहे श्री रामोत्सव की तर्ज पर यहाँ भी श्रीराम जन्मोत्सव का भव्य आयोजन कराया जा रहा है। इस शुभ अवसर पर कलाकारों एवं श्री रामभक्तो की गरिमामय उपस्थिति में सामूहिक दीप प्रज्जवलन, आतिशबाजी और मिष्ठान वितरण के साथ श्रीरामजी की आरती की जायेगी। मानस भवन को आकर्षक रंगोली और रंगीन लड़ियों से सजाकर गीत, संगीत, नृत्य की प्रस्तुतियों के साथ बधाई गीतो से जन्मोत्सव मनाया जायेगा।

हिन्दू धर्म परिषद की महिला शाखा अध्यक्ष ममता नरेन्द्र सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष डॉ0 गीता शुक्ला ''गीत'' एवं सहयोगियो द्वारा वरिष्ठ शाखा अध्यक्ष डॉ0 प्रवीर चंद दुबे युवा अध्यक्ष शिव कुशवाहा के मार्गदर्शन में आयोजन संपन्न कराया जायेगा। संस्थापक नारायण डिगवानी आजीवन संरक्षक सुरेश विश्नोई, रामसखा यादव की सहमति से आयोजन की तैय्यारियों की रूपरेखा बनाई गई है। संयोजक सुमित माँजवानी ने बताया कि आयोजन में शामिल होने विशिष्ट गणमान्य अतिथियों के साथ्थ कलाकारों, नागरिकों को सपरिवार आमंत्रित किया गया है।

मानस मंडल के अध्यक्ष सुभाष बाबू पांडे, रिदम म्यूजिकल ग्रुप के अध्यक्ष विनोद तिवारी, मंच संचालक अवनीश शर्मा के साथ संरक्षक मंडल के डा0 सी0बी0शुक्ला, डॉ0 के0के0 परौहा, डॉ0 ज्योति सिंह, डॉ0 राहुल मिश्रा, डॉ0 राजनारायण तिवारी, डॉ0 नरेश बजाज, अखंड प्रताप सिंह एड., सुनील अग्रवाल एड., शिवेन्द्र मिश्रा एड., डॉ0 रश्मी शुक्ला, शकुन्तला मिश्रा, मणिमाला सिंह, डी.पी.सिंह परिहार, डॉ0 राजनारायण शुक्ला द्वारी, संजीव तिवारी अजगरहा, राकेश तिवारी कपसा, संजय तिवारी मुन्नू, रामकृष्ण अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, विजय तमेर, अवधेश श्रीवास्तव, संजय तिवारी घुरेहटा, रमेश सोनेता, केवल मंशानी, पमन मंशानी, जगन्नाथ साहू आदि ने नगर के सभी प्रबुद्धजनों से आयोजन में शामिल होकर अपना श्रद्धा-भक्ति का परिचय देने का आग्रह किया है।

संग्राम कॉलोनी में आयोजित हुआ जागरूकता कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नगर पालिक निगम सतना के तत्वावधान में नालंदा पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल संग्राम कॉलोनी में दीप प्रज्वलन के साथ जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पालिक निगम सतना के इंजीनियर धर्मेंद्र सिंह परिहार द्वारा किया गया! कार्यक्रम में सभी छात्र छात्राओं ने मंत्र मुग्ध होकर जागरूकता अभियान कार्यक्रम का लुफ्त उठाया! कार्यक्रम में मनोज कुमार तिवारी, रंजना श्रीवास्तव, रेशम कुकरेजा, महेश कुमार वासवानी ,अर्चना सिंह चौहान ,प्रतिमा शर्मा, मुस्कान पुरुस्वानी, नम्रता शुक्ला, इशा खरे, चंचल आवतवानी, प्रवीन सिंह, गायत्री संगतानी,मणिका केसरी, ओंकारेश्वर प्रसाद सोनी, प्रगति त्रिपाठी ,संजय जसनानी, नमन उपाध्याय तथा स्कूल पारिवार के अन्य लोगों तथा छात्र-छात्राओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया! कार्यक्रम में तन मन की स्वच्छता संबंधी विभिन्न पहलुओं पर रोशनी डाली गई तथा बच्चों को प्रतियोगी परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने हेतु भी टिप्स दी गई! कार्यक्रम में इंजीज्धर्मेंद्र द्वारा सभी से अपनी अपनी गली के लोगों को गीले कचरे एवं सूखे कचरे को हरी और नीली डस्टबिन के माध्यम से ही कचरा मांगने वाली गाड़ी को देने का तथा घरेलू हानिकारक कचरे को अलग तथा सेनेटरी नैपकिन डायपर को अलग अलग कर कुल चार हिस्से में अलग करके कचरा मांगने वाली गाड़ी को देने का अनुरोध किया गया!

कार्यक्रम में मतदाता जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण विशेष रूप से जल संरक्षण, नशा मुक्त भारत अभियान,भ्रष्टाचार मुक्त समाज और अपराध मुक्त समाज की दिशा में प्रयास करने के संबंध में भी चर्चा हुई! नालंदा पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल संग्राम कॉलोनी परिवार के सभी उपस्थित स्टाफ के सदस्यों एवं छात्र-छात्राओं ने सतना में बेहतर स्वच्छता का माहौल बनाने का तथा अपने गली मोहल्ले के अन्य लोगों को जागरूक करने का संकल्प लिया! अंत में स्कूल प्रभारी द्वारा इंजीनियर धर्मेंद्र सिंह के प्रति आभार प्रदर्शित किया गया!

शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि व्यक्तित्व का समग्र विकास होना चाहिए

रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय भोपाल के तृतीय दीक्षांत समारोह में हुए शामिल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि विश्वविद्यालय महापुरुषों के निर्माण की फैक्ट्री होते हैं और शिक्षकगण इन संस्थाओं के कुशल कारीगर होते हैं। उन्होंने रवींद्रनाथ टैगोर के उद्धरण का उल्लेख करते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि व्यक्तित्व का समग्र विकास होना चाहिए। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल के तृतीय दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की और उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि अपने ज्ञान का प्रयोग समाज के उत्थान में करें। केवल व्यक्तिगत सफलता ही नहीं, समाज और देश के विकास में भी भागीदारी आवश्यक है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि बड़े पद पर पहुँचने के बाद ही असली कार्य प्रारंभ होता है। अपने योगदान से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास करें।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हो रहे राष्ट्र के तीव्र विकास का उल्लेख करते हुए कहा कि देश अधोसंरचना, आर्थिक समृद्धि, और शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति कर रहा है। उन्होंने वर्ष 2047 तक भारत को विश्वगुरु बनाने के संकल्प को दोहराया और कहा कि 'स्किल, स्केल और स्पीड' के तीन स्तंभों पर काम किया जा रहा है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कथन को उद्धृत करते हुए कहा कि "धरती से दौलत निकालनी होगी"- इस विचारधारा को मूर्त रूप देते हुए 'नदी जोड़ो परियोजना' के माध्यम से कृषि क्षेत्र में नव युग की शुरुआत हो रही है।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि आज युवाओं के पास विकास के बहुत अवसर हैं। इन अवसरों का लाभ उठायें। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहें और अपनी ऊर्जा का सदुपयोग स्वयं, समाज, देश और विश्व के कल्याण हेतु करें। उन्होंने कहा कि समाज युवाओं की ओर आशा भरी दृष्टि से देख रहा है और युवाओं को इस भरोसे पर खरा उतरना होगा।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय की दीक्षांत समारोह स्मारिका तथा "कंप्यूटर एक परिचय" पुस्तक के 41वें संस्करण का विमोचन भी किया। समारोह में रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति संतोष चौबे, कुलगुरू डॉ. आर.पी. दुबे, इसरो के वरिष्ठ एयरोस्पेस वैज्ञानिक राधाकांत पाढ़ी सहित अनेक गणमान्य नागरिक, शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

अरहर उपार्जन के लिए किसानों का पंजीयन 20 अप्रैल तक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शासन द्वारा निर्धारित समर्थन मूल्य 7550 रुपए प्रति क्विंटल पर जिले भर में अरहर का उपार्जन किया जाएगा। खरीफ वर्ष 2024-25 में ई उपार्जन पोर्टल पर अरहर (तुअर) फसल के उपार्जन के लिए किसानों का पंजीयन 20 अप्रैल तक किया जा रहा है। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने कहा है कि उपार्जन के लिए किसान ई उपार्जन पोर्टल में अपना पंजीयन 20 अप्रैल से पहले करा लें। सभी गेंहू उपार्जन केन्द्रों तथा कॉमन सर्विस सेंटर में किसानों का पंजीयन किया जा रहा है। सभी सहकारी समिति प्रबंधक तुअर उपार्जन के लिए किसानों का पंजीयन सुनिश्चित करें। पंजीकृत किसानों को ही समर्थन मूल्य पर तुअर के उपार्जन का लाभ मिलेगा।

श्रीवेद माता गायत्री ट्रस्ट आश्रम पड़खुरी में नौ दिवसीय साधना सत्र का हुआ आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। श्रीवेद माता गायत्री ट्रस्ट आश्रम पड़खुरी में नौ दिवसीय साधना सत्र का आयोजन किया गया। जिसमें छिंदवाड़ा, मुलताई बैतूल, ग्वालियर एवं रीवा के 22 परिजनों की भागीदारी की।

छिंदवाड़ा जिले के आंचल कुंड के गायत्री परिजनों सिकंदर उइके, बंसीलाल, शोभाराम, नरेंद्र तथा डॉक्टर राजभान शाह ने शिविर प्रारंभ होने के पूर्व अपने श्रमदान से पंच कुंडीय प्राकृतिक यज्ञशाला तैयार की। जिसमें प्रतिदिन पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ नवरात्र में संपन्न हुआ। शांतिकुंज हरिद्वार के परिव्राजक देवनारायण पटेल एवं अनुज यादव की उपस्थिति में नव दिवसीय साधना सत्र हरिद्वार के साधना विधान अनुसार संपन्न कराया गया। 30 मार्च से 6अप्रैल तक आयोजित इस सत्र में उप जोन समन्वयक एवं व्यवस्थापक पड़खुरी आश्रम सीधी प्रभाकांत तिवारी ने साधकों को नवरात्रि पर्व पर अनुष्ठान का महत्व, संगठन का स्वरूप एवं महत्व, जन्म शताब्दी वर्ष हेतु हमारे दायित्व, मिशन के सप्त सूत्र के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए साधकों के सवालों का समाधान किया। तथा साधकों के लिए अनुपम अद्वितीय व्यवस्था उपलब्ध कराई। अष्टमी पर दीप यज्ञ का आयोजन हुआ। जिसमें यसपी मिश्रा उप जोन सह समन्वयक, रवीन्द्र सिंह मीडिया प्रभारी उप जोन पड़खुरी एवं जिला समन्वयक रीवा, सविता मिश्रा कार्यकारिणी सदस्य, वंदना अग्रवाल, नरेंद्र शुक्ला, महेश पचोरी एवं अन्य गायत्री परिजनो का सहयोग रहा। रामनवमी के दिन कन्या भोज एवं पूर्णाहुति के बाद विदाई दी गई। अब यह सत्र प्रत्येक माह 21 तारीख से 25 तारीख तक पड़खुरी में आयोजित होगा।

जिसके लिए आवेदन शांतिकुंज के लिंक के माध्यम से ऑनलाइन किया जा सकता है। बताया गया है कि इस नव दिवसीय साधना सत्र का उद्देश्य विचार क्रांति अभियान को विश्व व्यापी बनाना, युग नेतृत्व के लिए मनस्वी साधकों को प्रेरित करना, आत्म कल्याण तथा लोक हित की प्राप्ति करना है। यह साधना पूज्य गुरुदेव व वंदनीय माता जी के पवित्रतम उद्देश्य लोक हितार्थ एवं आत्म कल्याण की पूर्ति के लिए उन्हीं के द्वारा बनाए गए साधना विधान को ध्यान में रखते हुए आयोजित होता है।

नवरात्रि में साढ़े 7 लाख से अधिक भक्तों ने किए मां शारदा के दर्शन

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मैहर मां शारदा मंदिर में चैत्र नवरात्रि के अवसर पर लगातार प्रतिदिन लाखों की संख्या में दर्शनार्थियों ने प्रशासनिक व्यवस्था के साथ सुगमता से मां शारदा देवी के दर्शन प्राप्त किया। नवरात्रि की तिथियों में इस दौरान 30 मार्च से 6 अप्रैल 2025 तक लगभग 7 लाख 38 हजार 167 दर्शनार्थियों ने मैहर पहुंचकर मां शारदा देवी के दर्शन किये। जिसमें 30 मार्च को 1 लाख 17 हजार 444, 31 मार्च को 75 हजार 257, 1 अप्रैल को 63 हजार 179, 2 अप्रैल को 84634, 3 अप्रैल को 82 हजार 486, 4 अप्रैल को 85 हजार 613, 5 अप्रैल को 95 हजार 841 एवं 6 अप्रैल रामनवमी को 1 लाख 33 हजार 713 से भी अधिक दर्शनार्थियों ने प्रशासनिक व्यवस्था के साथ मां शारदा देवी के दर्शन किये।

नवरात्रि के दौरान मां शारदा के दर्शन करने वाले 7 लाख 38 हजार 167 श्रद्धालुओं में 7 लाख 26 हजार 889 भक्त सीढियां चढकर मंदिर पहुंचे। जबकि 11 हजार 278 भक्तों ने रोपवे और मारूति वाहन का उपयोग किया।

विचार

जज वर्मा मामले से जजों की नियुक्ति में केंद्र को मिला मौका

दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के सरकारी आवास से कथित तौर पर मिले लाखों रुपए के बाद हाईकोर्ट के न्यायाधीशों की नियुक्ति और तबादलों में केंद्र सरकार को हस्तक्षेप करने का मौका मिल गया है। केंद्र सरकार ने संसद में कॉलेजियम व्यवस्था के स्थान पर राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग का कानून पारित किया था। इस कानून के एक विवादास्पद प्रावधानों में राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग में भारत के प्रधान न्यायाधीश और सुप्रीम कोर्ट के दो वरिष्ठतम जजों और केन्द्रीय कानून मंत्री के अलावा दो जानी मानी हस्तियों को शामिल करने की व्यवस्था थी। वर्ष 2015 में सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग कानून-एनजेएसी को असंवैधानिक ठहराते हुए रद्द कर दिया था। जस्टिस वर्मा नोट प्रकरण के बाद न्यायिक नियुक्ति आयोग फिर से लागू करने की संभावना के बाद सुप्रीम कोर्ट में जजों की नियुक्ति में केंद्र सरकार के हस्तक्षेप की उम्मीद फिर से पैदा हो गई है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राज्यसभा में राजनीतिक दलों से कहा कि उन्हें जजों की तरफ से जजों की नियुक्ति की व्यवस्था को समाप्त करने के लिए एक तंत्र के बारे में सोचना चाहिए। धनखड़ ने कानून को रद्द करने के शीर्ष अदालत के फैसले को गलत बताया। उन्होंने वर्ष 2014 में सर्वसम्मति से बनाए गए राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग अधिनियम को दूरदर्शी कदम बताया। इसका उद्देश्य एससी और एचसी के न्यायाधीशों की नियुक्ति पर सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के एकाधिकार को समाप्त करना था। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे और टीएमसी के सुखेंदु शेखर रॉय सहित विपक्षी नेताओं ने सरकार से उन कदमों की रूपरेखा तैयार करने को कहा है जो वह उठाना चाहती है।

जज कैशकांड के बाद सुप्रीम कोर्ट की फजीहत दो कारणों से हो रही है। न्यायिक नियुक्ति आयोग को रद्द करने और जस्टिस वर्मा का तबादला इलाहाबाद हाईकोर्ट में करने से। आयोग को रद्द करने पर उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति धनखड़ द्वारा राजनीतिक दलों की बैठक के दौरान सुप्रीम कोर्ट के न्यायिक आयोग को निरस्त करने के फैसले की तीखी भर्त्सना की गई। दूसरी तरफ इलाहाबाद हाइकोर्ट बार एसोसिएशन ने जस्टिस यशवंत वर्मा के तबादले का विरोध किया है। एसोसिएशन ने हड़ताल के अलावा जस्टिस वर्मा की कोर्ट के बहिष्कार की चेतावनी दी है। जस्टिस वर्मा प्रकरण के बाद सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम द्वारा हाईकोर्ट के जजों की नियुक्ति प्रक्रिया पर फिर से उंगलियां उठने लगी हैं।

राजनीति के शिखर पर भारतीय जनता पार्टी

भाजपा ने एक राजनैतिक दल के रूप में शुरुआत से लेकर के आज तक राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय एवं जनहित के मुद्दों को बहुत ही दमदार ढंग से उठाते हुए, देश के आम जनमानस के बीच बेहद ही कम समय में अपनी एक सशक्त पहचान बनाने का कार्य किया है। सबका साथ, सबका विकास की विचारधारा से ओतप्रोत हो सशक्त, सुदृढ़, समृद्ध, समर्थ, स्वावलबी एवं विश्वगुरु भारत के निर्माण के लिए पूरी निष्ठा व ईमानदारी से समर्पित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 6 अप्रैल को हर्षोल्लास के साथ स्थापना दिवस मना रही है, भाजपा के प्रदेश व राष्ट्रीय नेतृत्व के द्वारा जिले, प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन की श्रृंखलाएं चलाई जा रही है, विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से भाजपा की विचारधारा व केंद्र व भाजपा शासित राज्य सरकारों की नीतियों को लेकर के अधिक से अधिक लोगों के पास कैसे पहुंचा जाएं, देश व प्रदेशों का भाजपा नेतृत्व इसकी रणनीति निरंतर बना रहा है।

वह अब भी यह देखकर संतुष्ट नहीं हैं कि उसने केंद्र में लगातार तीसरी बार सरकार बनाकर के इतिहास रचने का कार्य कर दिया है, आज भी भाजपा के नेता व कार्यकर्ता निस्वार्थ भाव से पार्टी को ओर मजबूत करने में दिन-रात लगें हुए हैं, जो भाजपा संगठन की एक बहुत ही बड़ी खूबी है और उसको अन्य पार्टियों से अलग बनाती है।

देश की आज़ादी के बाद कभी डॉक्टर श्याम प्रसाद मुखर्जी, प्रोफेसर बलराज मधोक व पंडित दीनदयाल उपाध्याय के कुशल मार्गदर्शन में शून्य से अपनी राजनीति की शुरुआत करने वाली जनसंघ से लेकर के जनता पार्टी तक का सफ़र करते हुए भाजपा की स्थापना और फिर उसको देश व दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बनाने तक के कठिन सफ़र में भाजपा के लाखों करोड़ों निस्वार्थ भाव से लगे हुए संगठन शिल्पी नेताओं व कार्यकर्ताओं का बहुत ही अहम अनमोल योगदान रहा है, उन लोगों की त्याग, तपस्या, लगन, मेहनत, बलिदान से भाजपा आज इस मुकाम पर खड़ी है। भाजपा के कार्यकर्ताओं की इस मेहनत के इतिहास से भारत की राजनीति में रुचि रखने वाले लोगों को रूबरू अवश्य होना चाहिए। अस्सी के दशक में जनता पार्टी से अलग होकर के किस तरह से अटल बिहारी वाजपेयी व उनके अन्य सहयोगियों ने भारतीय जनता पार्टी का देश में विस्तार करने का एक सपना देखा था और उस सपने को उन सभी ने मिलकर के धरातल पर साकार करते हुए केंद्र में अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार का गठन करने वाले अहम मुकाम तक पहुंचाने का कार्य बखूबी से किया था।

वहीं इस सपने को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की जोड़ी ने आगे बढ़ाते हुए केंद्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन की लगातार तीसरी बार सरकार बनाकर देश में व्याप्त ज्वलंत मुद्दों का एक-एक करके स्थाई समाधान करते हुए भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए काम करना निरंतर जारी रखा हुआ है। भाजपा दशकों के बाद आज भी पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा प्रतिपादित एकात्म-मानवदर्शन को अपने वैचारिक दर्शन के सिद्धांतों पर पूरी तरह से अमल करती है। भाजपा का हमेशा अंत्योदय, सुशासन, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, विकास एवं सुरक्षा पर भी विशेष जोर रहा है, जो देश व समाज के हित में पूरी तरह से उचित है। भाजपा ने पांच प्रमुख सिद्धांतों के प्रति भी अपनी निष्ठा व्यक्त की, पांच सिद्धांत राष्ट्रवाद एवं राष्ट्रीय अखंडता, लोकतंत्र, सकारात्मक पंथ-निरपेक्षता, गांधीवादी समाजवाद तथा मूल्य आधारित राजनीति करना हैं।

अपने सिद्धांतों के चलते ही स्थापना के समय से ही भारतीय जनता पार्टी की सबसे बड़ी खूबी यह रही कि उसके पास पार्टी व देशभक्ति की विचारधारा से ओतप्रोत राजनेताओं की एक लंबी जमात हमेशा रही है। पार्टी के लाखों कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, डॉक्टर मुरली मनोहर जोशी, कुशाभाऊ ठाकरे, बंगारू लक्ष्मण, के. जना कृष्णामूर्ति, एम वेंकैया नायडू, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, अमित शाह, जेपी नड्डा के कार्यकाल का दौर निकट से देखा है और अटल बिहारी वाजपेयी व नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री के रूप में कार्य करते हुए भी देखा है, सभी का फ़राष्ट्र प्रथमफ़ का ही उद्देश्य मुख्य रहा है। भाजपा के कार्यकर्ताओं ने पार्टी की स्थापना से लेकर आज तक भी भाजपा को कभी किसी एक परिवार व व्यक्ति की बपौती नहीं बनने दिया है, पार्टी में आज भी आंतरिक लोकतंत्र जिंदा है। देश व दुनिया में भाजपा की पहचान एक ऐसे राष्ट्रवादी राजनैतिक दल के रूप होती है, जिसका ध्येय देश में सुशासन, विकास, एकता एवं अखंडता के लिए कार्य करना है।

भाजपा ने एक राजनैतिक दल के रूप में शुरुआत से लेकर के आज तक राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय एवं जनहित के मुद्दों को बहुत ही दमदार ढंग से उठाते हुए, देश के आम जनमानस के बीच बेहद ही कम समय में अपनी एक सशक्त पहचान बनाने का कार्य किया है। साथ ही बीतते हुए समय के साथ भाजपा के कर्ताधर्ताओं ने अपनी चाणक्य नीति व कुशल-कारगर ठोस रणनीति के दम पर देश की राजनीति व लोकतंत्र में अपनी भागीदारी दर्ज करते हुए बहुत सारे राज्यों व केंद्र में लगातार तीसरी बार सरकार बना कर देश की राजनीति को नए आयाम देने का कार्य करते हुए, देश के आम जनमानस के दिलो-दिमाग पर छा जाने का कार्य बखूबी किया है।

भारत के राजनैतिक इतिहास को देखें तो यह स्पष्ट रूप से नज़र आता है कि वर्ष 2014 से देश की राजनीति में भारतीय जनता पार्टी का स्वर्णिम काल का दौर चल रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करिश्माई नेतृत्व के दम पर भारतीय जनता पार्टी ने ना केवल तीसरी बार केंद्र की सत्ता पर कब्जा जमाने का काम किया है, बल्कि भाजपा के नाम देश व दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी होने का कीर्तिमान भी दर्ज हो गया है, राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के नेतृत्व में भाजपा लगभग 11 करोड़ से अधिक सदस्यों वाली विश्व की सबसे बड़ी राजनैतिक पार्टी बन गई है। भाजपा आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व अमित शाह की जोड़ी के करिश्माई नेतृत्व में आज एक ऐसा बेहद विशाल वट वृक्ष बन गई है, जिस पर भरोसा करते हुए देश की लगभग 50 से 60 फीसदी के करीब आबादी सकून से जीवन यापन कर रही है।

नरेन्द्र मोदी के करिश्माई नेतृत्व में वर्ष 2014 में पहली बार केंद्र में भाजपा को पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने अवसर मिला था। जिसके बाद से ही भाजपा ने सबका साथ, सबका विकास के सिद्धांत पर अमल करते हुए देश के नव निर्माण का अभियान शुरू कर रखा है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने बहुत ही कम समय में अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल करने का कार्य किया है। मोदी सरकार ने विश्व भर में भारत की गरिमा को पुनर्स्थापित करने का कार्य किया है।

मोदी सरकार में अन्त्योदय, सुशासन, विकास एवं समृद्धि के रास्ते पर देश तेजी के साथ बढ़ चला है। आर्थिक और सामाजिक सुधार सुरक्षित जीवन जीने का मार्ग उपलब्ध करा रहे हैं। केंद्र सरकार की किसानों के लिये ऋण से लेकर खाद तक की नयी नीतियों, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, सॉयल हेल्थ कार्ड आदि ने कृषि के तीव्र विकास की अलख जगायी है। मोदी के नेतृत्व में देश में सुशासन के नये युग का दौर चल रहा है। मोदी सरकार की चाहे आदर्श ग्राम योजना हो, स्वच्छता अभियान या फिर योग के सहारे भारत को स्वथ्य बनाने का अभियान, इन सभी कदमों से देश को एक नयी ऊर्जा मिली है। भाजपा की मोदी सरकार ने मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया, अमृत मिशन, दीनदयाल ग्राम ज्योति योजना, डिजिटल इंडिया जैसी योजनाओं से देश को आधुनिक और सशक्त बनाने की दिशा में मजबूत कदम उठाया है। जनधन योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढाओ, सुकन्या समृद्धि योजना, आयुष्मान भारत जैसी अनेक योजनाएं देश में एक नयी क्रांति का सूत्रपात कर रही हैं, देश में केंद्र सरकार के द्वारा बड़े पैमाने पर विश्वस्तरीय अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण किया जा रहा है।

भाजपा सरकार ने देशवासियों को विश्व की सबसे बड़ी सामाजिक सुरक्षा योजना का उपहार दिया है। राम मंदिर निर्माण, धारा 370, नोटबंदी, ट्रिपल तलाक, वक्फ बिल आदि भाजपा सरकार के दृढ़ संकल्प को दर्शाती हैं।

भारतीय संसद में वक्फ संशोधन विधेयक 2025 के पारित होने के सियासी मायने

भारतीय संसद के लोकसभा और राज्यसभा में दो दिवसीय उन्मुक्त चर्चा के बाद वक्फ (संशोधन) विधेयक 2025 का पारित होना एक ऐसी महत्वपूर्ण राजनीतिक घटना है, जिसके दूरगामी सियासी परिणामों से इंकार नहीं किया जा सकता है। देखा जाए तो इसके कई राजनीतिक मायने निकलकर सामने आ रहे हैं, जिससे भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन और कांग्रेस नीत संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (अब इंडिया गठबंधन) के बीच आम चुनाव 2029 में सीधी लड़ाई होगी।

राजनीतिक मामलों के जानकार बताते हैं कि वक्फ सम्बन्धी नए कानून से एक ओर जहां पसमांदा यानी गरीब व कमजोर वर्ग के मुसलमानों को काफी फायदा मिलेगा, जिससे इंडिया गठबंधन के अल्पसंख्यक मुस्लिम वोट बैंक में बिखराव स्वाभाविक है, वहीं दूसरी ओर वक्फ बोर्ड में व्याप्त वैधानिक अराजकता को नए संशोधन कानून द्वारा समाप्त किये जाने से हिंदुओं में यह आश्वस्ति भाव पनपेगी कि अब उनकी संपत्ति वक्फ बोर्ड के दांवपेचों से पूरी तरह से महफूज रहेगी। इससे राजग को मजबूती मिलना स्वाभाविक है।

वहीं, 2029 के आम चुनाव से पूर्व होने वाले विभिन्न विधानसभा चुनावों से यह स्पष्ट हो जाएगा कि राजग (एनडीए) के मुकाबले संप्रग (यूपीए) टिका रह पाएगा कि नहीं, क्योंकि 2025 में बिहार विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, जहां पर एनडीए और यूपीए (अब इंडिया गठबंधन) के बीच सीधा मुकाबला है। हिंदी पट्टी में भाजपा व उसके सहयोगियों के निरंतर मजबूत होते जाने की असली वजह कांग्रेस व उसके सहयोगियों की मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति है, जिससे हिन्दू जनमानस आहत होता आया है। वहीं, जातिवाद व क्षेत्रवाद की आड़ में हिंदुओं को कमजोर रखने की जो इनकी साजिश है, उसे भी लोग अब समझने लगे हैं। यही वजह है कि बिहार समेत पूरे देश में जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सामूहिक जनहितैषी फैसलों से उनकी लोकप्रियता बढ़ी है, वहीं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद व पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव की मुस्लिमपरस्ती, जूठे जातीय प्रेम और अदूरदर्शिता भरे सियासी फैसलों से इनकी छवि धूमिल हुई है। बिहार के राजनीतिक घटनाक्रम और उसपर मिले जनादेश इसी बात की तो चुगली करते हैं।

मजेदार बात तो यह है कि वक्फ (संशोधन) विधेयक 2025 की आड़ में कांग्रेस नीत इंडिया गठबंधन के द्वारा अल्पसंख्यकों को भड़काने की जो योजना बनाई गई थी, उन्मुक्त संसदीय बहस से उसपर पानी फिर गया है। इस बहस के बाद पसमांदा यानी गरीब मुसलमान जहां एनडीए के पक्ष में आ गए हैं, वहीं पाकिस्तान, बंगलादेश, अफगानिस्तान व अरब देशों की भाषा बोलने वाले अमीर

मुसलमान अब अपनी ही कौम में अलग-थलग पड़ जाएंगे। क्योंकि मोदी सरकार की सबका साथ, सबका विकास वाली रणनीति से सबसे ज्यादा फायदा हिन्दू व मुस्लिम समुदाय के गरीबों को ही मिला है, जो अब एनडीए के मजबूत वोट बैंक बन चुके हैं।

वहीं, राम मंदिर निर्माण, जम्मू-कश्मीर से धारा 370 की समाप्ति और तीन तलाक जैसे कानूनों के उन्मूलन से अमीर मुसलमान ही भड़क रहे हैं और गरीब मुसलमानों को धर्म के नाम पर भड़का रहे हैं, जिसे गरीब मुसलमान अब समझने लगे हैं। इसलिए कांग्रेस नीत इंडिया गठबंधन के मुस्लिम वोट बैंक का दरकना अब तय हो गया है, जिसका असर आपको बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से ही दिखने लगेगा। अभी जदयू के मुस्लिम नेताओं में नीतीश कुमार के ताजा फैसले से जो रोष है, वह भी जल्द ही समाप्त हो जाएगा। क्योंकि भाजपा जो भी मुस्लिम सम्बन्धी फैसले ले रही है, वह संघ समर्थित राष्ट्रीय मुस्लिम मंच की हरी झंडी के बाद ही, जो पसमांदा मुसलमानों में गहरी पैठ रखती है। मोदी ईदी उपहार अबतक का सबसे बड़ा हृदय परिवर्तन अभियान समझा गया।

वहीं, 2026 में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव और 2027 में उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इन दोनों महत्वपूर्ण राज्य विधानसभा चुनावों के समय अन्य दक्षिण भारतीय राज्यों में भी चुनाव होंगे, जहां दोनों गठबंधनों की कड़ी परीक्षा होगी। इसके बाद वर्ष 2028 में मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान जैसे महत्वपूर्ण राज्यों के अलावा पूर्वोत्तर राज्यों में भी विधान सभा चुनाव होंगे, जो यह स्पष्ट कर देंगे कि अल्पसंख्यक एनडीए के साथ में हैं या उसके विरोध में इंडिया गठबंधन के साथ। क्योंकि इंडिया गठबंधन की आपसी सिरफुटौव्वल ही इसकी सबसे बड़ी बाधा थी, है और रहेगी।

यह वजह है कि पूरे देश में पिछले तीन संसदीय आमचुनावों से जहां सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन निरंतर मजबूत होता जा रहा है और एक के बाद दूसरे राज्य में भी चुनाव जीतते जा रहा है, वहीं इंडिया गठबंधन की इंजन पार्टी कांग्रेस को आम चुनाव 2024 में थोड़ी सी सियासी ऑक्सीजन क्या मिल गई, वह विभिन्न राज्यों में अपने गठबंधन सहयोगियों को ही कुचलने लगी। यदि वक्फ संशोधन विधेयक 2025 मुसलमानों से जुड़ा मामला नहीं होता तो इंडिया गठबंधन की ताजा एकजुटता भी दिखाई नहीं पड़ती। वहीं, राष्ट्रहित में और राष्ट्रवादी मुद्दों पर भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने जो ताजातरीन अपनी सार्थकता सिद्ध कर दी है, वह उसके और अधिक मजबूत होने का ताजा सबूत है। क्योंकि वक्फ संशोधन विधेयक 2025 पर जदयू, टीडीपी, लोजपा आर और राष्ट्रीय लोकदल का समर्थन पाना एक युगान्तकारी घटना है।

इनके नेताओं ने संसद में विधेयक के समर्थन में जो शानदार दलीलें दी हैं, उससे पसमांदा मुसलमानों में भी भाजपा के प्रति नया प्यार उमड़ेगा, जो समकालीन राष्ट्रीय जरूरत भी है। अब यह साफ हो चुका है कि राष्ट्रवादी और जनवादी कानून बनाने में एनडीए का कोई सानी नहीं है। यही गठबंधन कांग्रेस कालीन और जनता पार्टी, जनता दल और संयुक्त मोर्चा कालीन सियासी पापों को प्रक्षालित करने का माद्दा रखता है। एनडीए ने जिस तरह से अल्पसंख्यक तुष्टीकरण की राजनीति को अप्रासंगिक बना दिया है और हिंदुओं में जातीय विभाजन की गति पर ब्रेक लगाई है, उस राष्ट्रहित में उसका बड़ा योगदान है। भाजपा की इस बात के लिए तारीफ की जानी चाहिए कि अल्पमत में होने के बावजूद उसने अपने कोर सियासी एजेंडे पर अपने सहयोगियों का विश्वास हासिल करके एक नया राजनीतिक कीर्तिमान स्थापित कर दिया है।

गौरतलब है कि राज्यसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक 2025 पर चर्चा का जवाब देते हुए अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजीजू ने दो टूक कहा कि वक्फ बोर्ड एक वैधानिक निकाय है और इसे धर्मनिरपेक्ष होना चाहिए। फिर भी हमने इसमें गैर-मुस्लिमों की संख्या सीमित कर दी है। वक्फ विधेयक से मुसलमानों को हम नहीं डरा रहे बल्कि विपक्षी पार्टियां डरा रही हैं। रिजीजू ने साफ कहा कि वक्फ बिल मुस्लिमों के अधिकार नहीं छीनेगा।

रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा विश्व स्वास्थ्य दिवस पर मनेन्द्रगढ़ में आयोजित हुआ बृहद रक्तदान शिविर

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में आज विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनेन्द्रगढ़ में एक बृहद रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का आयोजन कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के मार्गदर्शन एवं निर्देशानुसार किया गया, जिसकी शुरुआत चेयरमैन शैलेश जैन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.अविनाश खरे की उपस्थिति में हुई। शिविर में कुल ग्यारह (11) रक्तदाताओं ने स्वेच्छा से अपना रक्तदान किया, जिनमें जसपाल, रिंकेश खन्ना, विवेक जायसवाल, राजकुमार पांडेय, श्रीमती अंजनी यादव, रामनरेश पटेल, जयनारायण पांडेय, टी. विजय गोपाल राव, संजीत सिंह,

जगदीप सिंह कोहली और हरीश गुप्ता शामिल रहे। विशेष उल्लेखनीय यह रहा कि रक्तदाताओं में एक महिला अंजनी यादव और 23 वर्षीय युवक जगदीप सिंह कोहली ने सातवीं बार रक्तदान कर समाज के लिए प्रेरणा का कार्य किया। केंद्रीय चिकित्सालय मनेन्द्रगढ़ के ब्लड बैंक इंचार्ज डॉ. लवलेश गुप्ता ने भी इस अवसर पर अपना रक्तदान कर मानवता की मिसाल पेश की। उनके साथ-साथ रूपेंद्र सिंह, सिस्टर रश्मि गुप्ता, रेड क्रॉस सोसाइटी के नोडल अधिकारी सोमेश मंडल, विधिक साक्षरता शिविर के प्रतिनिधि अंजनी यादव एवं शंकर सिंह की सक्रिय भूमिका इस आयोजन को सफल बनाने में रही। विश्व स्वास्थ्य दिवस जैसे वैश्विक अवसर पर जिले के नागरिकों का यह प्रयास न केवल मानवता के लिए एक उदाहरण है बल्कि स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को भी मजबूती प्रदान करता है। इस रक्तदान शिविर ने यह सिद्ध किया कि जब उद्देश्य जनसेवा हो, तो समाज के सभी वर्ग-चाहे महिला हो या युवा-एकजुट होकर आगे आते हैं।

छत्तीसगढ़ से गुजरात जाने वाली 10 ट्रेनों का स्टॉपेज बदला

ऑडीटर ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

छत्तीसगढ़ से होकर गुजरात जाने वाली 10 ट्रेनों के संचालन में बदलाव किया गया है। आठ ट्रेनें गंतव्य से पहले ही उधना स्टेशन पर ही समाप्त कर दी जाएगी और वहीं दो ट्रेनें उधना रेलवे स्टेशन से शुरू की जाएगी। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि पश्चिम रेलवे मुंबई मंडल के सूरत स्टेशन पर चल रहे विकास कार्यों के कारण बिलासपुर जोन की 10 ट्रेनों के ठहराव में बदलाव किया गया है। वहीं स्टॉपेज से पहले ट्रेनों के ठहराव से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा। स्टेशन से प्रारंभ और समाप्त होने वाली गाड़ियां इस प्रकार हैं- 3 अप्रैल से, आगामी आदेश तक, अहमदाबाद से चलने वाली गाड़ी संख्या 12833 - 3 अप्रैल से, आगामी आदेश तक, पोरबंदर से चलने वाली गाड़ी संख्या 12905 - 6 अप्रैल से, आगामी आदेश तक, ओखा से चलने वाली गाड़ी संख्या 22905 - 4 अप्रैल से, आगामी आदेश तक, पोरबंदर से चलने वाली गाड़ी संख्या 12949 - 4 अप्रैल से, आगामी आदेश तक, शालीमार से चलने वाली गाड़ी संख्या 12906 - 8 अप्रैल से, आगामी आदेश तक, शालीमार से चलने वाली गाड़ी संख्या 22906 - 6 अप्रैल से, आगामी आदेश तक, सांतरागाछी से चलने वाली गाड़ी संख्या 12950 - 3 अप्रैल से, आगामी आदेश तक, हावड़ा से चलने वाली गाड़ी संख्या 12834 अब सूरत स्टेशन के बजाय उधना स्टेशन पर रुकेगी। इसका उधना स्टेशन पर आगमन समय 07.39 बजे होगा, और यह 07.45 बजे रवाना होगी।- 7 अप्रैल से, आगामी आदेश तक, गाड़ी संख्या 13426 अब सूरत स्टेशन के बजाय उधना स्टेशन से रवाना होगी।- 5 अप्रैल से, आगामी आदेश तक, मालदा टाउन से चलने वाली गाड़ी संख्या 13425 अब उधना स्टेशन पर समाप्त होगी।- 7 अप्रैल से, आगामी आदेश तक, गाड़ी संख्या 13426 अब सूरत स्टेशन के बजाय उधना स्टेशन से रवाना होगी।- 5 अप्रैल से, आगामी आदेश तक, मालदा टाउन से चलने वाली गाड़ी संख्या 13425 (मालदा टाउन-सूरत साप्ताहिक एक्सप्रेस) अब उधना स्टेशन पर समाप्त होगी।

राष्ट्रीय अधिवेशन की लिस्ट में

छत्तीसगढ़ कांग्रेस के 'गायब कोषाध्यक्ष'

ऑडीटर ऑडीटर
Mediaauditor.in

रायपुर कांग्रेस के गुजरात में होने जा रहे राष्ट्रीय अधिवेशन में छत्तीसगढ़ से शामिल होने वाले नेता आज रवाना हो गए हैं। अहमदाबाद जाने के लिए कांग्रेस ने 55 नेताओं की सूची जारी की है। इस लिस्ट में नाम तो कई बड़े नेताओं के हैं, लेकिन एक नाम ने सबका ध्यान खींचा है रामगोपाल अग्रवाल, जो छत्तीसगढ़ कांग्रेस के कोषाध्यक्ष हैंज या यूं कहें कि कागज़ों पर अब भी हैं। असल में रामगोपाल अग्रवाल पिछले दो सालों से फरार हैं। उन पर श्वष्ठ की रेड के बाद से ही शिकंजा कस गया था। साल 2022 में हुई छापेमारी में कई अहम दस्तावेज और सबूत जब्त किए गए थे। साल 2013 में रामगोपाल अग्रवाल को छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी का कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया था। कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन से पहले और बाद में साल 2022-23 में 2-3 बार उनके ठिकानों पर श्वष्ठ ने छापा मारा था। तभी से वे न तो पार्टी के कार्यक्रमों में नजर आए, न ही किसी बैठक में शामिल हुए। खुद कांग्रेस के प्रदेश कार्यालय में मौजूद कई नेताओं को भी ये याद नहीं कि उन्हें आखिरी बार कब देखा गया था। सवाल यह उठता है कि क्या पार्टी को नहीं पता कि उनका कोषाध्यक्ष पिछले दो साल से फरार है? या फिर कांग्रेस अब भी उस कुर्सी को भरने में असमर्थ है?छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने अब तक इस पद पर किसी नए व्यक्ति की नियुक्ति नहीं की है। यानी प्रदेश की सबसे बड़ी पार्टी दो साल से बिना आधिकारिक कोषाध्यक्ष के ही चल रही है, जो खुद में एक गंभीर सवाल है,पार्टी का फाइनेंशियल मैनेजमेंट आखिर

रायपुर में हादसा

रायपुर में हादसे के बाद कार ड्राइवर की पिटाई

ऑडीटर ऑडीटर
Mediaauditor.in

रायपुर में कार और बुलेट के बीच टक्कर हो गई। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने कार ड्राइवर की जमकर पिटाई कर दी। मारपीट का एक वीडियो भी सामने आया है। जिसमें एक युवक को सड़क पर लात घूसों से मारा जा रहा है।

आशंका जताई जा रही है कि, कार ड्राइवर शराब पीकर गाड़ी चला रहा था। हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हुई है। मामला तेलीबांधा थाना क्षेत्र का है। थाना प्रभारी नरेंद्र मिश्रा के मुताबिक, इस मामले की शिकायत पुलिस थाने नहीं पहुंची है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हादसा चौक रविवार के तेलीबांधा के पास हुआ है। कार और बुलेट दोनों ही रायपुर पासिंग नंबर की थी। बताया जा रहा है कि कार ने बुलेट को पीछे से टक्कर मारी। जिससे उसका सामने का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो

गया। वही बुलेट भी डैमेज हो गई है। एक्सीडेंट के बाद आसपास भीड़ जमा हो गई। बताया जा रहा है कि, बुलेट में पति-पत्नी और बच्ची सवार थे। एक्सीडेंट में उन्हें चोटें आई हैं। जिसके बाद वहां मौजूद लोगों ने कार ड्राइवर को पीटना शुरू कर दिया। इस पिटाई का एक वीडियो भी आया है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। फिलहाल, पुलिस का कहना है कि मामले में किसी भी पक्ष ने शिकायत दर्ज नहीं कराई है।

फंदे से लटकती मिली महिला की लाश

दो साल पहले हुई शादी, 14 महीने के बेटी, ससुराल वालों ने मारकर लटकाया

ऑडीटर ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

बिलासपुर में विवाहित महिला की लाश संदिग्ध हालत में फंदे पर लटकती मिली है। मायके वालों ने आरोप लगाया कि उनकी बेटी को मारकर फंदे पर लटकाया गया है, जिसे आत्महत्या बताने की कोशिश की जा रही है। महिला की 14 महीने की बेटी है। घटना सरकंडा थाना क्षेत्र की है। दरअसल, बलौदाबाजार की रहने वाली सुलोचनी देवांगन (24) की शादी 2 साल पहले सरकंडा के लिंगियाडीह श्याम नगर निवासी अंकित देवांगन से हुई थी। अंकित ऑटो पार्ट्स की दुकान चलाता है।

बीते शनिवार को दोपहर सुलोचनी ने कमरे में फांसी लगा ली। इस दौरान परिजनों ने दरवाजा खोलकर उसे फंदे से उतार दिया, जिसके बाद घटना की जानकारी पुलिस को दी। सुलोचनी के मायकेवालों ने बताया कि उसके ससुरालवालों ने फोन से जानकारी दी कि उनकी बेटी की तबीयत खराब है और उसे अस्पताल लेकर गए हैं। लेकिन, जब परिजन बिलासपुर पहुंचे, तब उसके ससुराल घर के बाहर लोगों की भीड़ लगी थी। वहीं, अंदर कमरे में बेटी सुलोचनी का शव पड़ा हुआ था।

जांच के बाद होगी कार्रवाई

सरकंडा थाना प्रभारी निलेश पांडेय का कहना है कि महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। पुलिस इस मामले में मर्ग कायम कर जांच कर रही है। प्रथम दृष्टया महिला के फांसी लगाने की बात सामने आई पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का पता चल सकेगा। मामले में जांच के बाद दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

कमरे में पंखे से एक कपड़े का फंदा भी लटक रहा था। परिजनों ने आरोप लगाया कि फंदे को देखने से लग रहा था कि यह आत्महत्या नहीं है। बल्कि, उनकी बेटी की हत्या कर उसे फंदे पर लटकाया गया है। जिसके बाद इसे आत्महत्या का रूप देने का प्रयास किया जा रहा है।

14 माह की है मासूम

मृतका सुलोचनी की 14 माह की बेटी भी है। परिजनों ने कहा कि उनकी बेटी की तबीयत खराब रहती थी, तब ससुरालवाले उसका इलाज नहीं कराते थे। वह अपनी मासूम बेटी को छोड़कर आत्महत्या नहीं कर सकती।

दोषियों पर हो कार्रवाई

सुलोचनी के मायके वालों ने इस मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि उनकी बेटी आत्महत्या नहीं कर सकती। या तो उसे ऐसा करने के लिए मजबूर किया गया है। या हत्या कर आत्महत्या का रूप देने का प्रयास किया जा रहा है।

मायकेवालों ने यह भी आरोप लगाया कि 2 साल पहले जब उन्होंने सुलोचनी की शादी की थी, तब पुस्तैनी जमीन बेच कर दहेज में सब कुछ दिया था। इसके बाद भी उनका दामाद अंकित और ससुरालवाले उससे हमेशा पैसे की मांग करते थे। बेटी खुश रहे इसलिए वो हर दो-तीन महीने में किसी तरह पैसे की व्यवस्था कर भेजती थी।

नारायणपुर में पांच महिला नक्सलियों ने किया सरेंडर

ऑडीटर ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में 5 महिला नक्सलियों ने हथियार के साथ सरेंडर किया है। सभी माओवादियों पर 1-1 लाख रुपए का इनाम घोषित है। साल 2025 में अब तक 87 बड़े-छोटे कैडर के माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। जानकारी के मुताबिक, यह सभी महिला नक्सली माड़ डिवीजन कुतुल-नेलनार-परलकोट एरिया कमेटी के हैं। आत्मसमर्पण करने पर सभी को प्रोत्साहन राशि 25 हजार रुपए का चेक दिया गया। उन्हें नक्सल उन्मूलन नीति के तहत मिलने वाली सभी तरह की सुविधाएं दी जाएगी। लक्ष्मी वंजामी (19) नारायणपुर के ओरछा निवासी। पद- नेलनार एलओएस सदस्य।सन्नी उर्फ जमली पोड़ियाम (30) धनोरा निवासी। पद- नेलनार एलओएस सदस्य। कुम्मे पोड़ियाम (19) निवासी ओरछा, पद- परलकोट जन मिलिशिया सदस्य। सुकाय पोड़ियाम (20) ओरछा निवासी। पद- कुतुल एलओएस सदस्य। अनिता उसेंडी (23) ओरछा निवासी। पद- नेलनार एरिया कमेटी रिकरूट।

विरोध के बीच महामाया पहाड़ से हटाया गया था अतिक्रमण

ऑडीटर ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

सरगुजा अंबिकापुर के महामाया पहाड़ में फारेस्ट लैंड से अतिक्रमण हटाने में प्रभावित हुए 40 परिवारों के लोगों ने [illegible] कार्यालय का घेराव कर जमकर नारेबाजी की। [illegible] से हाईकोर्ट के आदेश के तहत जमीन का सीमांकन किए जाने की मांग की है। जिनके कब्जे हटाए गए हैं, उनका दावा है कि मेंटनेंस खसरा में उक्त भूमि नजूल के पहाड़ चट्टान मद में दर्ज है। [illegible] ने कहा कि हाईकोर्ट के निर्देश के अनुसार कार्रवाई की जा रही है। जनवरी 2025 में वनविभाग ने महामाया पहाड़ पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करते हुए 60 लोगों को अतिक्रमण हटाने

का नोटिस जारी किया। 24 घंटे से भी कम समय में कार्रवाई करते हुए 40 घरों को तोड़ दिया। दोपहर बाद हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार के मौखिक आदेश पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई रोक दी गई थी। अतिक्रमण हटाए जाने से प्रभावित लोगों ने नवागढ़ स्कूल के पास मैदान में शरण ली। प्रभावितों का दावा है कि आज भी कई परिवार टेंट लगाकर रह रहे हैं। प्रभावितों ने सोमवार को डीएफओ कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया और जमकर नारेबाजी की। प्रभावित परिवारों ने हाईकोर्ट के आदेश का हवाला देकर जमीन का सीमांकन कराने की मांग रखी। प्रदर्शनकारियों के साथ पहुंचे अधिवक्ता अनवारूल हक फिरदौसी ने दावा किया कि हाईकोर्ट ने डीएफओ के नेतृत्व में टीम बनाकर जमीनों का सीमांकन करने का आदेश दिया है। अनवारूल हक फिरदौसी ने दावा किया कि, जिस भूमि से अतिक्रमण हटाया गया है, वह मेंटनेंस में नजूल के पत्थर चट्टान मद में दर्ज है। वनविभाग उक्त भूमि को रिजर्व फारेस्ट का बताकर कार्रवाई की है। चूंकि वन विभाग के अधिकारी फंस गए हैं। इसलिए वे जांच और सीमांकन करने से बच रहे हैं। अतिक्रमण हटाने से प्रभावित 24 लोगों ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। डीएफओ तेजस शेखर ने बताया कि, इसमें हाईकोर्ट द्वारा डीएफओ के समझ पक्ष रखने कहा है। हम हाईकोर्ट के निर्देश के आधार पर पक्षकारों का बयान दर्ज कर रहे हैं। पूरी प्रक्रिया नियमानुसार पूरी की जा रही है। इस मामले में [illegible] तेजस शेखर ने कहा कि पूरी भूमि फारेस्ट की है। हमने हाईकोर्ट के समक्ष नोटिफिकेशन भी प्रस्तुत कर दिया है। कोर्ट ने सभी पक्षों को ध्यान में रखते हुए यह ऑर्डर जारी किया है।भाजपा नेता और पार्षद आलोक दुबे की शिकायत पर जिला प्रशासन, वन विभाग के संयुक्त अमले ने साल 2021 में महामाया पहाड़ में सर्वे कराया। सर्वे के दौरान 440 लोगों का अतिक्रमण पाया गया। 15 अक्टूबर 2022 को 60 अतिक्रमणकारियों का कब्जा हटाने के लिए कार्रवाई शुरू की गई थी, लेकिन राजनीतिक दबाव में यह कार्रवाई रुक गई थी। इन 60 कब्जाधारियों को जनवरी 2025 में नोटिस जारी कर बेजा कब्जा खाली करने का नोटिस दिया गया और वन विभाग ने कार्रवाई करते हुए राजस्व एवं पुलिस फोर्स के साथ बेजा कब्जा हटाने की कार्रवाई शुरू की। इसमें 40 लोगों का कब्जा तोड़ दिया गया है।

रामनवमी पर धर्मांतरण..हिंदू संगठनों ने किया हंगामा

ऑडीटर ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में धर्मांतरण को लेकर बवाल थमने का नाम नहीं ले रहा है। रामनवमीं पर्व के दिन प्रार्थना सभा के बहाने चंगाई सभा कर धर्म परिवर्तन कराने का आरोप है। जिसके विरोध में हिंदूवादी संगठनों ने जमकर हंगामा मचाया। जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई। हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ताओं ने बताया कि बहतराई स्थित अटल आवास सहित अलग-अलग इलाकों में प्रत्येक रविवार को प्रार्थना सभा का आयोजन किया जाता है। इसी तरह रविवार को बहतराई में प्रार्थना सभा के बहाने हिंदू वर्ग के लोगों को बुलाया गया था। इसकी जानकारी मिलने पर कार्यकर्ता विरोध करने

पहुंच गए। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने जमकर हंगामा मचाया, जिसके बाद उन्होंने सरकंडा थाना प्रभारी को इसकी सूचना दी। जानकारी मिलते ही सरकंडा थाना प्रभारी निलेश पांडेय अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। उन्होंने पूछताछ की, तब पता चला कि दीपा गोटेल अपने निवास में प्रार्थना सभा आयोजित करा रही थीं। इससे पहले भी 31 मार्च को आयोजित सभा में यदुनंदन नगर निवासी पास्टर दीपक सिंह सिदार और उनकी पत्नी पूजा सिदार द्वारा धार्मिक उपदेश दिया जा रहा था, जिसमें बड़ी संख्या में हिंदू धर्म के लोग मौजूद थे। पूछताछ के बाद पुलिस उन्हें पकड़कर थाने ले आई। टीआई निलेश पांडेय ने बताया कि जांच के बाद मामले में छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्रय अधिनियम के तहत विधिक कार्रवाई की जा रही है। साथ ही, दीपा गोटेल, पास्टर दीपक सिदार, पूजा सिदार, गुरुविंदर सिंह, शिवकुमार धीवर और मधु कुमार केंवट के खिलाफ प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है। इधर, हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ता राम सिंह ठाकुर ने कहा कि बिलासपुर धर्मांतरण का हब बनाने की कोशिश की जा रही है, जिसका वो लगातार विरोध कर रहे हैं। कोनी, सकरी, सिविल लाइन और मस्तूरी क्षेत्र के बाद अब सरकंडा के बहतराई में भोले-भाले हिंदुओं को लालच देकर फंसाने और धर्मांतरण कराने का खेल चल रहा था। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि हिंदुओं को प्रार्थना सभा के बहाने बुलाया जाता है, जहां प्रलोभन देकर उनका धर्म परिवर्तन कराया जाता है।

बिलासपुर में युवक को चाकू से गोदा

ऑडीटर ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

बिलासपुर में पुरानी रंजिश के चलते एक युवक ने दूसरे युवक पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे युवक खून से लथपथ होकर घायल हो गया। इस हमले के बाद घायल युवकों के दोस्तों ने जमकर हंगामा मचाया, जिसके बाद आरोपी की स्कूटी को आग लगा दी। विवाद और तनाव की खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। वहीं, पुलिस ने हमलावर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना सिरगिट्टी थाना क्षेत्र की है।पुलिस के अनुसार गणेश नगर में रहने वाले समीर खान और प्रिंस उर्फ लल्ला दोस्त हैं। दोनों नशे के आदी हैं। पुलिस का दावा है कि रविवार की शाम दोनों नशे की हालत में घूम रहे थे। तभी ओवरब्रिज के पास

उनके बीच पुरानी रंजिश को लेकर बहस शुरू हो गई। देखते ही देखते उनके बीच विवाद शुरू हो गया। युवक ने चाकू से किया ताबड़तोड़ हमला मारपीट के दौरान समीर ने अपने पास रखे चाकू निकाल लिया। फिर उसने लल्ला पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इस हमले में वो गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर गया। खून से लथपथ बल्ला की हालत देखकर कर समीर वहां से भाग निकला। इस हमले के बाद बल्ला के दोस्तों ने उसे इलाज के लिए निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे सिम्स भेज दिया गया। इस हमले की जानकारी मिलते ही लोगों की भीड़ जुट गई। आग घायल बल्ला के दोस्त समीर के घर के पास पहुंच गए और जमकर हंगामा करने लगे। इस दौरान उन्होंने समीर की स्कूटी को सड़क पर निकाल लिया, जिसके बाद स्कूटी में आग लगा दी। इस घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने हंगामा कर रहे युवकों को वहां से खदेड़ा। इसके बाद आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी। निमितेश सिंह ने बताया कि घटना के बाद मोहल्ले में पुलिस बल तैनात किया गया है। वहीं, आरोपी हमलावर और घायल के साथियों से पूछताछ की जा रही थी। इस बीच पुलिस ने एक टीम भेजकर आरोपी युवक को रायपुर से गिरफ्तार कर लिया है।

नया वक्फ कानून-सुको याचिकाओं की अर्जेंट सुनवाई पर विचार करेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि वह नए वक्फ कानून की संवैधानिकता को चुनौती देना वाली याचिकाओं को लिस्ट करने यानी सुनवाई पर फैसला करेंगे। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के वकील कपिल सिब्बल ने अदालत से अर्जेंट हियरिंग की मांग की थी। इस पर सीजेआई संजीव खन्ना ने कहा- आप वकीलों से कहें कि हमें मेल या पत्र भेजें। इस पर सिब्बल ने कहा कि यह प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट में अर्जेंट हियरिंग के लिए ओरल मेंशनिंग यानी जुबानी अपील की व्यवस्था खत्म हो चुकी है। सिबब्ल के बाद सीजेआई संजीव खन्ना ने कहा- ठीक है, हम पत्र और मेल देखेंगे। इन पर फैसला लिया जाएगा। हम इन्हें लिस्ट करेंगे। नए वक्फ कानून की संवैधानिकता के खिलाफ जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अलावा सुप्रीम कोर्ट में 11 याचिकाएं दाखिल की जा चुकी हैं। जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने कहा कि हमारी राज्य इकाइयां भी हाईकोर्ट में कानून को चुनौती देंगी।

राहुल गांधी के सामने कांग्रेस कार्यकर्ता भिड़े

पटना (एजेंसी)। बिहार प्रदेश कार्यालय में सोमवार को यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के बीच जमकर मारपीट हुई। पटना के सदाकत आश्रम में राहुल गांधी जिला अध्यक्षों और नेताओं के साथ विधानसभा चुनाव को लेकर बैठक कर रहे थे। उसी दौरान बाहर कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए।

बताया जा रहा है कि बैठक के दौरान कुछ कार्यकर्ताओं के बीच तू-तू-मैं-मैं हो गई। इससे नाराज पूर्व अध्यक्ष अखिलेश सिंह बैठक के बीच से बाहर निकल गए। उनके पीछे उनका समर्थक रवि रंजन जा रहा था, तभी यूथ कांग्रेस से जुड़ा असद और पूर्व विधायक टुन्ना चोर-चोर के नारे लगाने लगे।

रवि रंजन ने जब विरोध किया तो उसको दौड़ा दिया। टुन्ना ने उसे पटक दिया और लात-घूंसे से पीटने लगे। बीच में अखिलेश सिंह ने बीच-बचाव कर उसे छुड़ाया। बाहर हंगामा होता देख राहुल गांधी ने अपनी बैठक को 20 मिनट में ही खत्म कर दिया और एयरपोर्ट के लिए निकल गए। मारपीट के बाद कार्यकर्ता रवि रंजन ने आरोप लगाया, मैं भूमिहार हूं और वो राजपूत है, इसलिए मुझे मारा गया। पार्टी में साजिश की जा रही है। हमारे नेता के रहते गुंडागर्दी का विरोध करते रहेंगे।

वाराणसी में ग्रेजुएशन की छात्रा से 7 दिन तक गैंगरेप

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी में छात्रा को किडनैप कर 23 युवकों ने 7 दिन तक गैंगरेप किया और उसके वीडियो भी बनाए। छात्रा की मां ने पुलिस को बताया कि घटना 29 मार्च से 4 अप्रैल तक की है। पुलिस ने 12 नामजद और 11 अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस ने 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पीड़ित की मां ने पुलिस को बताया- उसकी बेटी 29 मार्च को काम पर निकली थी, फिर 4 अप्रैल को घर पहुंची। मेरी बेटी कई बार अपने काम के सिलसिले में एक-दो दिन घर से बाहर रहती थी।

मध्यप्रदेश में दुग्ध सहकारिता के माध्यम से बढ़ेगी किसानों की आय- मुख्यमंत्री

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सहकार से समृद्धि के विजन के अंतर्गत मध्यप्रदेश एक महत्वपूर्ण पहल कर रहा है। मध्यप्रदेश सरकार ने दुग्ध संघों और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड, एमपी स्टेट को-आपरेटिव डेयरी फेडरेशन (एमपीसीडीएफ) के मध्य सहकार्यता अनुबंध (कोलेबोरेशन एग्रीमेंट) के माध्यम से किसानों और पशुपालकों की जिंदगी बदलने का महत्वपूर्ण कदम उठाया है। दुग्ध सहकारिता के क्षेत्र में मध्यप्रदेश ने विशेष स्थान बनाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को मंत्रालय में संपन्न बैठक में यह बात कही।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैठक में आगामी 13 अप्रैल को भोपाल में हो रहे राज्य स्तरीय सहकारी दुग्ध उत्पादक गोपाल सम्मेलन की तैयारियों की समीक्षा की। कार्यक्रम में केंद्रीय सहकारिता और गृहमंत्री श्री अमित शाह का आगमन प्रस्तावित है। बैठक में डेयरी विकास एवं पशुपालन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री लखन पटेल सहित वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों को दुग्ध उतपादन के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। मध्यप्रदेश सरकार संकल्पित है कि किसानों और पशुपालकों से दूध की खरीद सुनिश्चित हो और उन्हें दूध की सही कीमत प्राप्त हो। श्वेत क्रांति मिशन के अंतर्गत प्रत्येक जिले में सांची डेयरी के साथ मिल्क कूलर, मिनी डेयरी प्लांट, चिलिंग सेंटर की संख्या बढ़ाकर और दुग्ध संघों की प्रोसेसिंग क्षमता का विस्तार कर किसानों की आय में वृद्धि का कार्य किया जाएगा। प्रदेश में अधिकतर ग्रामों में दुग्ध सहकारी समितियों की स्थापना कर दुग्ध उत्पादक किसानों को सहकारी डेयरी कार्यक्रम से जोड़ने का कार्य होगा। प्रदेश का दुग्ध उत्पादन में देश में तीसरा स्थान है। सहकारी समितियों को कव्हरेज बढ़ाकर दुग्ध उत्पादकों को सहकारी डेयरी कार्यक्रम का पूरा-पूरा लाभ दिलवाया जाएगा। सांची ब्रांड के उन्नयन का भी यह ठोस प्रयास है।

देश में अगले 11 दिन भीषण गर्मी का अनुमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान में भीषण गर्मी का दौर शुरू हो गया है। आज सोमवार को 14 जिलों में हीटवेव का अलर्ट है। रविवार को बाड़मेर-जैसलमेर में पारा 45 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। पिछले 26 साल में बाड़मेर में अप्रैल के पहले हफ्ते में यह सबसे ज्यादा तापमान है। अगले कुछ दिन गर्म से राहत मिलने की संभावना नहीं है। मध्य प्रदेश में भी भीषण गर्मी ने समय से पहले ही दस्तक दे दी है। रविवार को भोपाल का तापमान 40.5 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया।

आसाराम को फिर 1 जुलाई तक अंतरिम जमानत

जोधपुर (एजेंसी)। जोधपुर के आश्रम में नाबालिग से रेप के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम को गुजरात के बाद अब राजस्थान हाईकोर्ट से भी राहत मिली है। कोर्ट ने उसकी अंतरिम जमानत की अवधि 1 जुलाई तक बढ़ा दी है। हाईकोर्ट ने आसाराम को सुप्रीम कोर्ट की ओर से पूर्व में जारी शर्तों का पालन करने के लिए कहा है। कोर्ट ने कहा- गुजरात हाईकोर्ट ने मेडिकल ग्राउंड पर आसाराम को अंतरिम जमानत देने से पहले तमाम तथ्यों की जांच की। ऐसे में उन्हीं मेडिकल

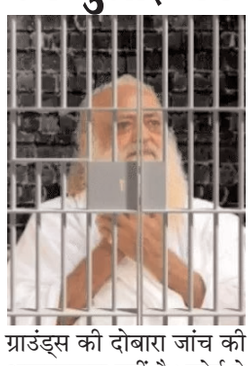

ग्राउंड्स की दोबारा जांच की आवश्यकता नहीं है। कोर्ट ने कहा- अंतरिम जमानत नहीं देने के लिए भी कोई ठोस आधार सामने नहीं आ रहा है। इसके बाद कोर्ट ने आसाराम को 30 जून तक की अंतरिम जमानत दी तो वकील ने अंतिम दिन छुट्टी होने की बात कहते हुए इसे 1 जुलाई तक करने का आग्रह किया। आसाराम 14 जनवरी से 31 मार्च तक अंतरिम जमानत पर था। ये पीरियड खत्म होने पर 1 अप्रैल को आसाराम ने सरेंडर कर दिया था। उसी रात वह प्राइवेट अस्पताल में भर्ती हो गया था और अभी भी वहीं पर भर्ती है। आसाराम के वकील निशांत बोड़ा ने बताया- मामले में 2 अप्रैल को सुनवाई हुई थी। पीड़िता के वकील पीसी सोलंकी ने आसाराम पर सुप्रीम कोर्ट की प्रवचन नहीं करने की शर्त का उल्लंघन करने का आरोप लगाया था।

पेट्रोलियम कंपनियों के घाटे से बढ़े गैस सिलेंडर के दाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। घरेलू गैस सिलेंडर 50 रुपए महंगा हो गया है। आज यानी, सोमवार 7 अप्रैल को पेट्रोल मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने इसकी जानकारी दी। अभी दिल्ली में गैस सिलेंडर 803 रुपए में मिलता है। दाम बढ़ने के बाद कीमत 853 रुपए हो जाएगी। वहीं उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों के गैस सिलेंडर की कीमत 500 से बढ़कर 550 रुपए हो जाएगी। आखिरी बार सरकार ने 8 मार्च 2024 को महिला दिवस पर सिलेंडर के दामों में 100 रुपए की कटौती थी। तब दिल्ली में सिलेंडर 903 रुपए का था। पेट्रोलियम मंत्री ने कहा- ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को लागत से कम कीमत पर सिलेंडर बेचने के कारण लगभग 41,000 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। इस घाटे को कम करने के लिए कीमतें बढ़ाने का फैसला लिया गया। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने 1 अप्रैल को 19 किलो वाले कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम ?44.50 तक घटाए थे। दिल्ली में इसकी कीमत ?41 घटकर ?1762 हो गईं। पहले ये ?1803 में मिल रहा था। कोलकाता में यह ?44.50 घटकर ?1868.50 में मिल रहा है, पहले इसके दाम ?1913 थे। मुंबई में सिलेंडर ?1755.50 से ?42 घटकर ?1713.50 रुपए हो गया है।

इंडिगो फ्लाइट में महिला की मौत

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई से वाराणसी जा रही इंडिगो एयरलाइंस की एक फ्लाइट में 89 साल की महिला की मौत हो गई। इसके बाद विमान की महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी।

एयरपोर्ट अधिकारियों ने बताया कि महिला उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर की रहने वाली थी। उनका नाम सुशीला देवी था। वे मुंबई से फ्लाइट में सवार हुई थीं। उड़ान के दौरान उनकी तबीयत खराब हुई। मेडिकल इमरजेंसी की वजह से 6 अप्रैल रात करीब 10 बजे विमान को चिकलथाना

एयरपोर्ट पर उतारा गया। एयरपोर्ट पर मेडिकल टीम ने उनकी जांच की, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।

अधिकारी ने बताया कि एमआईडीसी सिडको पुलिस थाने ने जरूरी कार्यवाही पूरी कीं और विमान वाराणसी के लिए रवाना हो गया। जबकि महिला का शव छत्रपति संभाजीनगर के सरकारी अस्पताल भेज दिया गया। पटना से दिल्ली जा रही इंडिगो की फ्लाइट में यात्री की मौत हो गई। लखनऊ में फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। यात्री के साथ उनकी पत्नी और चचेरे दामाद भी थे। यात्री की पहचान असम के नलबारी निवासी प्रोफेसर सतीश चंद्र बर्मन के रूप में हुई। वे काफी दिनों से बीमार चल रहे थे। इंडिगो की फ्लाइट संख्या 6श्च 2163 में सवार होने के कुछ देर बाद ही उनकी तबीयत खराब हुई।

ममता बोलीं- काबिल टीचर्स के लिए कोर्ट का फैसला अन्यायपूर्ण

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को उन शिक्षकों और स्टाफर्स से मुलाकात की, जिनकी भर्ती सुप्रीम कोर्ट ने निरस्त कर दी है। ममता बनर्जी ने कहा कि हम कोर्ट के आदेश से बंधे हुए हैं। यह फैसला उन कैंडिडेट्स के लिए अन्याय है, जो काबिल शिक्षक थे।

ममता ने यह मुलाकात कोलकाता के नेताजी इनडोर स्टेडियम में की। इस दौरान उन्होंने कहा, आप लोग यह मत समझिए कि हमने फैसले को स्वीकार कर लिया है। हम पत्थरदिल नहीं हैं। मुझे ऐसा कहने के लिए जेल भी डाल सकते हैं, लेकिन मुझे फर्क नहीं पड़ता है।

वहीं, शिक्षकों ने कहा कि घोटाले में ष्टरू उनका मंत्रिमंडल और आयोग सभी शामिल हैं। नौकरियों के बदले रिश्वत ली गई है। ष्टरूने आज हमें %लॉलीपॉप% दिया है कि मामले की जांच कराएंगे। हालांकि, सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में समीक्षा याचिका दायर करने की बात कही है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने 3 अप्रैल को स्कूल भर्ती घोटाले से जुड़े कोलकाता हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा।

मां बनने वाली है मेरठ जेल में बंद मुस्कान

मेरठ (एजेंसी)। मेरठ में सौरभ हत्याकांड की आरोपी मुस्कान प्रेग्नेंट है। 5 अप्रैल को उसकी तबीयत बिगड़ गई थी। उसमें प्रेग्नेंसी जैसे लक्षण दिखाई दिए थे। इसके बाद जेल प्रशासन ने मुस्कान का चेकअप करने के लिए डॉक्टर बुलाए। 7 अप्रैल को लेडी डॉक्टर कोमल ने जिला जेल में आकर मुस्कान का टेस्ट किया था। इसमें उसकी प्रेग्नेंसी की पुष्टि हुई। दरअसल, 19 मार्च से मुस्कान और साहिल मेरठ जिला जेल में बंद हैं। मुस्कान ने साहिल के साथ मिलकर पति सौरभ की हत्या कर दी थी। जेल आने के बाद मुस्कान का प्राइमरी मेडिकल टेस्ट किया गया था। तब वह पूरी तरह स्वस्थ थी।वहीं, सोमवार को साहिल की नानी भी जिला जेल में उससे मिलने पहुंची।

हालांकि, उन्हें मुस्कान के प्रेग्नेंट होने के बारे में पता नहीं था।

महिला जिला अस्पताल से लेडी डॉक्टर हर महीने की 15 तारीख को जेल में रूटीन विजिट पर जाती हैं। विशेष परिस्थितियों में ही डॉक्टर को बीच में बुलवाया जाता है।

पंजाब में बच्चा चोर गिरोह के 9 लोग अरेस्ट

बरनाला (एजेंसी)। बरनाला पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए बच्चा चोरी के राष्ट्रीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले परिवार के 2 वर्षीय बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया है। पुलिस ने एक महिला समेत नौ लोगों गिरफ्तार किया है।

4 अप्रैल को हुए अपहरण के मामले में पुलिस ने लुधियाना के एक अवैध अस्पताल से बच्चे को बरामद किया। अपहरणकर्ताओं ने बच्चे का सिर मुंडवा दिया था। जांच में पता चला कि आरोपी बच्चे को मध्य प्रदेश में एक तांत्रिक को 2 लाख रुपए में बेचने की योजना बना रहे थे।

डीआईजी मनदीप सिंह सिद्धू ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी सहायता से आरोपियों का पता लगाया गया। पुलिस ने लुधियाना के एक डॉक्टर समेत कई आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

एमपी में 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण पर रोक नहीं

भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश में ओबीसी वर्ग को 27 फीसदी आरक्षण देने में कोई न्यायिक अड़चन नहीं है। 27 फीसदी आरक्षण को लागू करने के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को खारिज कर दिया है। ओबीसी महासभा का दावा है कि अब मध्यप्रदेश में ओबीसी को 27 फीसदी आरक्षण के कानून को लागू करने में किसी भी तरह की दिक्कत नहीं होगी।

कमलनाथ सरकार ने 2019 में ओबीसी वर्ग का आरक्षण 14 से बढ़ाकर 27 फीसदी कर दिया था। इसके बाद विधानसभा में 27 फीसदी आरक्षण से

संबंधित विधेयक पारित कर दिया। 2 सितंबर 2021 को सामान्य प्रशासन विभाग ने ओबीसी को भर्ती में 27 फीसदी आरक्षण देने का सर्कुलर जारी किया था। इसके खिलाफ यूथ फॉर इक्वेलिटी संगठन हाईकोर्ट गया। 4 अगस्त 2023 को हाईकोर्ट ने सरकार के सर्कुलर पर रोक लगा दी। इस बीच महाधिवक्ता ने अभिमत दिया कि सरकार 87ः13 के फॉर्मूले के आधार पर भर्ती प्रक्रिया करें। 28 जनवरी 2025 को हाईकोर्ट ने यूथ फॉर इक्वेलिटी संगठन की याचिका निरस्त कर दी।

संगठन इसी फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी (विशेष अनुमति याचिका) दाखिल की थी।

इस एसएलपी पर ओबीसी महासभा ने कैविएट दायर की। जिसमें कहा कि इस मामले में हमें भी सुना जाएं।

योगी बोले- 2034 में देश में एक साथ चुनाव होंगे

लखनऊ (एजेंसी)। वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर लखनऊ में आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ। %बार-बार होने वाले चुनाव देश के विकास की रफ्तार पर ब्रेक लगाते हैं। इससे न केवल समय और संसाधनों की बर्बादी होती है, बल्कि देश की जीडीपी पर भी सीधा असर पड़ता है। ये बातें सोमवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में कही।

मुख्यमंत्री ने साफ किया कि अगर देश को तेज गति से आगे बढ़ाना है तो चुनावी सिस्टम में बदलाव जरूरी है। उन्होंने कहा, हर साल चुनाव कराना केवल राजनीतिक गतिविधियों को नहीं बढ़ाता, बल्कि इससे विकास योजनाओं की गति थम जाती है। सीएम योगी ने लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में %वन नेशन, वन इलेक्शन% विषय पर आयोजित राज्यस्तरीय सम्मेलन में हिस्सा लिया।

सुप्रीम कोर्ट बोला- यूपी में जो हो रहा, वो गलत

गाजियाबाद। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को यूपी पुलिस को कड़ी फटकार लगाई है। सिविल मुकदमों को क्रिमिनल केस में बदले जाने पर चीफ जस्टिस (ष्टछ्ठड्ड) संजीव खन्ना ने कहा, यूपी में जो हो रहा है, वह गलत है। चीफ जस्टिस ने कहा, हर रोज सिविल मुकदमों को आपराधिक मामलों में बदला जा रहा है। यह बेतुका है, सिर्फ पैसे नहीं देने को अपराध नहीं बनाया जा सकता, ये कानून के शासन का पूरी तरह ब्रेकडाउन है। सीजेआई ने कहा, इन्वेस्टिगेटिंग अफसर (ड्ढड्ड) को कटघरे में खड़ा करो और क्रिमिनल केस बनाओ। अधिकारी को भी तो सबक मिलना चाहिए। चार्जशीट फाइल करने ये कोई तरीका नहीं है। डिप्टी जनरल ऑफ

पुलिस से भी कहेंगे कि यूपी में ये जो हो रहा है, वह उसमें कुछ करें। उन्होंने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि आगे से इस तरह के मामलों में पुलिस पर जुर्माना लगेगा। दरअसल, ग्रेटर नोएडा में पैसे के लेनदेन के एक मामले को पुलिस ने सिविल केस की जगह क्रिमिनल केस बनाते हुए चार्जशीट दाखिल कर दी थी। याचिककर्ता का कहना था कि पुलिस ने पैसे लेकर मामले को क्रिमिनल बना दिया। पुलिस ने सिविल मुकदमे को आपराधिक मामले में तब्दील करने के बाद समन जारी किया। याचिकाकर्ता ने इसके खिलाफ अदालत का दरवाजा खटखटाया और एफआईआर रद्द करने की मांग की।

जयपुर जिंदा बम केस, 5 नए गवाहों ने पलटी बाजी

जयपुर। जयपुर में 13 मई 2008 को हुए सिलसिलेवार बम ब्लास्ट मामले से जुड़े जिंदा बम केस में कोर्ट ने 4 आरोपियों को दोषी करार दिया गया है। सरवर आजमी, मोहम्मद सैफ, सैफुर्रहमान और शहबाज को 8 अप्रैल को सजा सुनाई जाएगी। ये चारों वही हैं, जो सीरियल बम ब्लास्ट के मुख्य केस में कमजोर इन्वेस्टिगेशन के चलते बरी हुए थे। एक जिंदा बम चांदपोल बाजार में रामचंद्र जी मंदिर के सामने रेंजर साइकिल पर मिला था। इस केस में बाजी पलट गई। कोर्ट में 5 नए गवाह व सबूत ही इस केस की मजबूती का आधार बने। स्पेशल कोर्ट के जज रमेश जोशी ने आरोपियों को जिन धाराओं में दोषी माना गया है, उसमें

अधिकतम उम्रकैद की सजा का प्रावधान है। राजस्थान सरकार (अभियोजन पक्ष) की ओर से क्या दलील व सबूत पेश किए गए? इस केस की पैरवी से जुड़े सरकारी वकील (विशेष लोक अभियोजक) ने बताया कि कोर्ट में क्या-क्या दलीलें दी गईं? पढ़िए इस खबर मेंज. सरकारी वकील सागर तिवाड़ी ने बताया कि 8 सीरियल ब्लास्ट केस में चारों आरोपियों को हाईकोर्ट ने जब बरी किया तब जांच में कई कमियां बताई थीं। उन कमियों दूर किया गया। राज्य सरकार ने 5 नए गवाहों के बयान भी कराए हैं। इनमें तत्कालीन इंस्पेक्टर राजेंद्र नैन, तत्कालीन एडीजी ए के जैन, पत्रकार प्रशांत टंडन और साइकिल तैयार करने वाले दिनेश महावर शामिल हैं।

भोपाल के तत्कालीन मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एमपी तिवाड़ी के स्पेशल कोर्ट में 4 अक्टूबर 2023 को पहली बार बयान दर्ज हुए। तत्कालीन सीजेएम ने अपनी गवाही में कहा कि उन्होंने सैफुर्रहमान का रिमांड दिया था। इस दौरान उसने जयपुर बम ब्लास्ट में शामिल होने की बात स्वीकारी थी। इसके अलावा पत्रकार प्रशांत व तत्कालीन एडीजी एके जैन ने इंडियन मुजाहिदीन के भेजे गए ईमेल की पुष्टि की थी। तत्कालीन सीआई राजेंद्र नैन ने साइकिल खरीद के बारे में बयान दर्ज कराए। उन्होंने बयान में बताया कि- जांच के दौरान आरोपी मोहम्मद सैफ ने ही साइकिल खरीदने वाली दुकान का पता बताया था।

हार के बाद प्रीति जिंटा ने श्रेयस अय्यर को लगाया गले

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब किंग्स को शनिवार को आईपीएल 2025 के 18वें मैच में राजस्थान रॉयल्स के हाथों 50 रनों से शिकस्त का सामना करना पड़ा। श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली पीबीकेएस की मौजूदा सीजन में ये पहली बार है। पंजाब ने सुरुआती दो मैचों में विजय परचम फहराया था। हालांकि, आरआर के खिलाफ हार के बावजूद पीबीकेएल की सह मालकिन प्रीति जिंटा मुस्कुराते हुए नजर आईं। उन्होंने कप्तान श्रेयस को गले लगाकर उनका हौसला बढ़ाया। प्रीति ने तीन बार श्रेयस की पीठ थपथपाई। प्रीति के इस अंदाज ने सोशल मीडिया पर फैंस का दिल जीत लिया। फिलहाल, यशस्वी जायसवाल के अर्धशतक के बाद जोफ्रा आर्चर की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर राजस्थान ने पंजाब को मात दी। आरआर ने 205/4 का स्कोर बनाया और पीबीकेएस को 155/9 पर रोक दिया। पंजाब के लिए नेहल वढेरा ने 67 और ग्लेन मैक्सवेल ने 30 रनों की पारी खेली। कप्तान श्रेयस ने सिर्फ 10 रन जुटाए। श्रेयस ने मैच के बाद कहा कि, हम उन्हें 180-185 रन तक रोकना चाहते थे क्योंकि ये लक्ष्य हम हासिल कर सकते थे। लेकिन हमने कुछ अतिरिक्त रन दे दिए। उन्होंने कहा कि, हम अपनी योजनाओं के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाए।

आरसीबी के खिलाफ रोहित शर्मा खेलेंगे या नहीं ?

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस के दिग्गज खिलाड़ी रोहित शर्मा पर बड़ा अपडेट मिला है। रोहित आईपीएल 2025 में मुंबई के पिछले मैच में चोट के कारण से नहीं खेल पाए थे। रोहित को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ आराम दिया गया था। अब टीम का अगला मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर से है। रोहित इस मैच में खेल सकते हैं। मुंबई के हेड कोच महेला जयवर्धने ने रोहित के मामले पर अपडेट दिया है। पत्रकार देवेंद्र पांडे ने एक्स पर इसे लेकर जानकारी दी। जहां मुंबई इंडियंस के हेड कोच जयवर्धने ने कहा कि, रोहित अच्छी कंडीशन में लग रहे हैं। वे प्रैक्टिस कर करेंगे। रोहित लखनऊ के खिलाफ नहीं खेल पाए ते। वे प्रैक्टिस के दौरान चोटिल हो गए थे। रोहित के घुटने में चोट लगी थी। लेकिन वे अब आरसीबी के खिलाफ मैदान पर उतर सकते हैं। मुंबई और आरसीबी का सोमवार को सामना होगा।

मुंबई की प्लेइंग इलेवन में अगर रोहित की वापसी हुई तो एक खिलाड़ी का पत्ता कट सकता है। मुंबई राज बावा या विल जैक्स को ब्रेक दे सकती है। विल जैक्स ने इस सीजन में अभी तक तीन मैच खेले हैं। लेकिन वे इस दौरान कुछ खास नहीं कर पाए हैं। जैक्स लखनऊ के खिलाफ भी महज 5 रन बनाकर आउट हो गए थे। हालांकि, अभी तक रोहित या टीम की प्लेइंग इलेवन के मामले पर किसी तरह की आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है।

गुजरात टाइटंस को बड़ा झटका, ये स्टार खिलाड़ी चोटिल होकर गया बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद और गुजराट टाइटंस के बीच आईपीएल 2025 का मुकाबला खेला जा रहा है। लेकिन इस मुकाबले के दौरान गुजरात टाइटंस को बड़ा झटका लगा है।

दरअसल, जीटी के स्टार खिलाड़ी ग्लेन फिलिप्स मैच के दौरान चोटिल हो गए जिस कारण उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा। फिलिप्स अपनी बेहतरीन फील्डिंग के लिए जाने जाते हैं। उनके शानदार कैचों की चर्चा अक्सर होती रहती है और फील्डिंग के दौरान ही उन्हें चोट लगी है। फिलिप्स जैसा फील्डर किसी भी टीम के लिए बेहद अहम है क्योंकि वह अपनी फील्डिंग से रन बचाते हैं और जहां विकेट नहीं होता वहां भी मौका बना देते हैं। प्रसिद्ध कृष्णा पारी का छठा ओवर फेंक रहे थे। चौथी गेंद पर सामने थे ईशान किशन। किशन ने हल्के हाथ से गेंद खेली जो प्वाइंट और गली के बीच में गई। प्वाइंट पर खड़े फिलिप्स दौड़े और गेंद उठाकर थ्रो की, लेकिन इसी दौरान उनकी मांसपेशियों में खिंचाव आ गया जिस कारण वह मैदान पर लेट गए। फिजियो आए और कुछ देर उन्होंने देखा जिसके बाद फिलिप्स को बाहर भेज दिया गया।

मुक्केबाजी विश्व कप में भारत का अभियान समाप्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत का ब्राजील के फोड डू इगुआकू में आयोजित वर्ल्ड कप अभियान 6 पदकों के साथ समाप्त हुआ। भारतीय मुक्केबाजों ने इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया जिसमें हितेश द्वारा जीता गया गोल्ड पदक भी शामिल है। भारत विश्व मुक्केबाजी द्वारा आयोजित किसी शीर्ष स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में पहली बार हिस्सा ले रहा था।

हितेश ने इस टूर्नामेंट में गोल्ड अपने नाम किया और वह विश्व मुक्केबाजी कप में गोल्ड जीतने वाले पहले भारतीय मुक्केबाज बन गए। दरअसल, उनके प्रतिद्वंद्वी इंग्लैंड के ओडेल कामारा चोटिल हो गए थे और शनिवार को 70 किग्रा वर्ग के फाइनल के लिए रिंग में नहीं उतर सके। भारतीय मुक्केबाज अभिनाश जामवाल ने भी 65 किग्रा वर्ग के फाइनल में जगह बनाई, लेकिन स्थानीय दावेदार यूरी रेइस को कड़ी टक्कर देने के बावजूद उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

हितेश ने अच्छे प्रदर्शन का श्रेय टूर्नामेंट से पहले ब्राजील में आयोजित 10 दिवसीय तैयारी शिविर को दिया जिससे उन्हें और टीम को बहुत मदद मिली। हितेश ने कहा कि, शिविर ने मुझे कुछ रणनीतिक बारीकियां सीखने में मदद की जिससे मुझे प्रतियोगिता में बहुत मदद मिली। इस टूर्नामेंट ने हमें उच्चतम स्तर का अनुभव प्रदान किया और मुझे खुशी है कि मैं गोल्ड मेडल जीत सका।

मोहम्मद सिराज ने लगाया विकेट का शतक

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने रविवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मियां मैजिक दिखाया। सिराज ने हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में चार ओवर के स्पेल में 17 रन देकर चार विकेट अपने नाम किए। सिराज ने अभिषेक शर्मा, ट्रेविस हेड, अनिकेत शर्मा और सिमरजीत सिंह को अपना शिकार बनाया। ये उनके आईपीएल करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इसके साथ ही उन्होंने आईपीएल में विकेटों का शतक लगाया है। फिलहाल उनके खाते में अब 97 आईपीएल मैचों में 102 विकेट हैं इसी कड़ी में उन्होंने

जहीर खान का रिकॉर्ड ध्वस्त किया है।

सिराज आईपीएल में 100 या उससे ज्यादा विकेट चटकाने वाले 26वें गेंदबाज हैं। वहीं, सिराज आईपीएल में संयुक्त रूप से सातवें सबसे तेज 100 विकेट कंप्लीट करने वाले भारतीय पेसर बन गए हैं। सिराज के अलावा शार्दुल ठाकुर ने भी 97 मैचों में विकेटों का शतक लगाया। जहीर ने आईपीएल में 99 मैचों में 100 विकेट पूरे किए थे। हर्षल पटेल और भुवनेश्वर कुमार सबसे तेज 100 विकेट लेने वाले भारतीय पेसर हैं। दोनों ने 81-81 आईपीएल मैचों में ये कारनामा किया था।

उनके बाद आशीष नेहरा (83 मैच), संदीप शर्मा (87 मैच), जसप्रीत बुमराह (89 मैच), मोहित शर्मा (92 मैच) और मोहम्मद शमी 97 मैच है। वहीं सिराज ने अपने आईपीएल का डेब्यू सनराइजर्स हैदराबाद की तरफ से किया था। वह आईपीएल 2018 से पहले आरसीबी से जुड़े और सात साल तक आरसीबी के साथ थे। सिराज पहली बार जीटी के लिए खेल रहे हैं।

टी20 में गेंदबाज 'गेम चेंजर्स' हैं-गिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात टाइटन्स के कप्तान शुभमन गिल ने रविवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टी20 मैच में सनराइजर्स हैदराबाद को सात विकेट से हराने के बाद कहा कि गेंदबाज 'गेम चेंजर्स' हैं, विशेषकर इस प्रारूप में। गुजरात टाइटन्स ने तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज (17 रन देकर चार विकेट) की शानदार गेंदबाजी के बाद गिल (नाबाद 61 रन) के अर्धशतक और वाशिंगटन सुंदर (49 रन) के साथ उनकी तीसरे विकेट के लिए 56 गेंद में 90 रन की साझेदारी से सनराइजर्स हैदराबाद को सात विकेट से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की।

सिराज के अलावा तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा और बायें हाथ के स्पिनर साई किशोर के दो दो विकेट चटकाने से सनराइजर्स हैदराबाद 20 ओवर में आठ विकेट पर 152 रन ही बना सकी।

गिल ने मैच के बाद कहा, ''गेंदबाज मैच का रूख बदल देते हैं, विशेषकर इस प्रारूप में। काफी लोग टी20 में बल्लेबाजी और हिटिंग की बात करते हैं लेकिन हमें लगता है कि मैच गेंदबाजों द्वारा जीते जाते हैं। इसलिये इस फ्रेंचाइजी में गेंदबाजों को काफी तवज्जो दी जाती है।''

वहीं सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस ने कहा, ''यह हैदराबाद का पारंपरिक विकेट नहीं है, यह बहुत मुश्किल था। अंत में यह विकेट उतना स्पिन भी नहीं कर रहा था जैसा हमने सोचा था। हमारा स्कोर भी अच्छा नहीं रहा, लेकिन उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी की।

फिर चला सिराज का जादू... ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा को भेजा पवेलियन, बनाया था खास प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 का 19वां मैच सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटंस के बीच हैदराबाद में खेला जा रहा है। इस दौरान गुजरात के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने हैदराबाद के दोनों ओपनर्स ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा को अपना शिकार बनाया। सिराज ने दोनों को आउट करने के लिए एक खास प्लान के तहत गेंदबाजी की। दरअसल, सिराज ने पहले ही ओवर में हेड का विकेट चटकाया। हेड 5 गेंद में 8 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद सिराज ने 5वें ओवर में अभिषेक को आउट किया।

वह 16 गेंदों में 18 रन बनाकर पवेलियन लौटे। पिछले सीजन में तहलका मचाने वाली हेड और अभिषेक की जोड़ी इस सीजन में अभी तक एक बार भी पचास रन की साझेदारी नहीं कर पाई है। सिराज जब पहला ओवर फेंकने आए, तब ही उन्होंने ठान लिया कि वो हेड को मिडिल और लेग स्टंप पर ही गेंदबाजी करेंगे। उन्होंने ओवर में दो गेंद ऑफ स्टंप के बाहर रखी। हेड ने दोनों ही गेंद पर चौका लगाया। लेकिन जब सिराज ने स्टंप में गेंदबाजी की, तब हेड को रन बनाने में परेशानी हुई। स्टंप लाइन की गेंद पर हेड फ्लिक लगाने की कोशिश में साई सुदर्शन को मिड विकेट पर कैच थमा बैठे।

जसप्रीत बुमराह की वापसी के बाद मुंबई के कैंप में दिखा गजब नजारा

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह शुरुआती मैचों से बाहर रहने के बाद अब आईपीएल 2025 में खेलते हुए नजर आएंगे। रविवार को बुमराह मुंबई इंडियंस के स्क्वॉड से जुड़ गए हैं और मुंबई के लिए अगले मैच में खेलते हुए दिखेंगे। मुंबई इंडियंस ने रविवार को प्रैक्टिस सेशन का एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें टीम के खिलाड़ी और सदस्य बुमराह का स्वागत कर रहे हैं। जसप्रीत बुमराह ने मुंबई इंडियंस के लिए शुरुआती चार मुकाबले नहीं खेले हैं और तीन में टीम को हार का सामना करना पड़ा है।

मुंबई इंडियंस ने वीडियो शेयर किया जिसमें बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड ने जसप्रीत बुमराह को कंधे पर उठाते हुए कहा कि, स्वागत है मुसाफा। इस दौरान उन्होंने काफी देर तक बुमराह को कंधे पर उठाकर घुमाया। इसके बाद बुमराह हंसते हुए टीम के खिलाड़ियों के साथ खड़े हुए। वापस जाते समय उनके पीछे खड़ अर्जुन तेंदुलकर को चोट लगी। दरअसल, बुमराह का जूता उनके पैर पर लगा जिससे वह दर्द में दिखे। बता दें कि, मुंबई इंडियंस ने सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा करते हुए कहा कि, कभी शावक रहा अब शेर, शेर फिर से जंगल का राजा बनने के लिए वापस आ गया है। बुमराह जनवरी की शुरुआत से ही क्रिकेट के मैदान से दूर हैं जब उन्हें सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें और अंतिम टेस्ट के दौरान पीठ से संबंधित समस्या हुई थी। आखिरी में उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की घरेलू सीरीज और उसके बाद चैंपियंस ट्रॉफी से भी बाहर होना पड़ा।

रिटायर नहीं होंगे एमएस धोनी, कब लेंगे संन्यास?

नई दिल्ली (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज एमएस धोनी के रिटायरमेंट को लेकर लगातार चर्चाएं चल रही हैं। लेकिन अब खुद धोनी ने एक पॉडकास्ट में अपने संन्यास को लेकर चल रही अफवाहों को सिरे से खारिज कर दिया है। दिग्गज एमएस धोनी के माता-पिता पान सिंह और देविका देवी शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले के दौरान मौजूद रहे, जिससे कईयों को लगा कि शायद धोनी चेपॉक में अपना आखिरी मैच खेलने उतरे हैं। धोनी 2008 में आईपीएल के पहले सत्र से चेन्नई का हिस्सा रहे हैं।

एमएस धोनी ने पॉडकास्ट में कहा कि, नहीं अभी तो नहीं मैं अब भी आईपीएल खेल रहा हूं। मैंने इसे काफी सिंपल रखा है, मैं इसे हर बार एक साल की तरह लेता हूं। मैं 43 का हूं और जब आईपीएल 2025 खत्म होगा, मैं 44 का रहूंगा। इसलिए मेरे पास ये निर्णय लेने के लिए इसके बाद

10 महीने होंगे कि मैं खेलूंगा या नहीं। लेकिन ये मैं नहीं तय कर रहा हूं, ये मेरा शरीर तय करता है। इसलिए एक बार में एक साल उसके बाद हम देखेंगे।

आईपीएल में 43 वर्षीय धोनी के भविष्य को लेकर काफी चर्चा हो रही है और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ उनका नौवें नंबर पर उतरना खेल फैंस को अच्छा नहीं लगा। धोनी के हालिया बल्लेबाजी प्रदर्शन की काफी आलोचना हुई। खासकर आज दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ सीएसके के 184 रनों के लक्ष्य का पीछा करने के दौरान जब धोनी क्रीज पर आए तो टीम को 9 ओवर में 110 रनों की जरूरत थी। हालांकि, विजय शंकर के साथ उनकी साझेदारी में 56 गेंदों पर केवल 84 रन ही बने। शंकर ने 54 गेंदों पर 69 रनों की नाबाद पारी खेली, जबकि धोनी ने 26 गेंदों पर महज 115.38 के स्ट्राइक रेट के साथ 30 रन बनाए, जिसकी काफी आलोचना हुई। पांच बार की आईपीएल चैंपियन टीम का अगला मैच आठ अप्रैल को चंडीगढ़ में पंजाब किंग्स के खिलाफ होगा, उसके बाद 11 अप्रैल को केकेआर के खिलाफ घरेलू मैच और 14 अप्रैल को लखनऊ के खिलाफ एक और मैच होगा। मुंबई इंडियंस के खिलाफ उनका बहुप्रतीक्षित मुकाबला 20 अप्रैल को घर से बाहर होगा।

आरटीओ कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा को लोकायुक्त मामले में मिली जमानत का विरोध

आरटीओ के कॉन्स्टेबल की जमानत के विरोध में सतना सहित मैहर में प्रदर्शन, नागौद में पुलिस के साथ झड़प

पुलिस से झड़प में कार्यकर्ता घायल

कांग्रेस ने फूंका मुख्यमंत्री का पुतला

मीडिया ऑडीटर, सतना/मैहर(निप्र)। आरटीओ कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा को लोकायुक्त मामले में मिली जमानत के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सोमवार को सतना और मैहर में विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का पुतला भी जलाया।

कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि सौरभ शर्मा के पास से 52 किलो सोना और करोड़ों रुपए नकद जब्त किए गए। इसके बावजूद न्यायालय में 60 दिन तक चालान पेश नहीं किया गया। उनका कहना है कि जानबूझकर जमानत के लिए जमीन तैयार की गई।

सतना के नागौद में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ताओं ने कचहरी परिसर में लगभग एक घंटे तक धरना दिया। इसके बाद रैली निकालकर बस स्टैंड चौक पहुंचे। कार्यकर्ताओं ने इस दौरान सीएम का पुतला जलाने का प्रयास किया, जिससे पुलिस और उनके बीच झड़प भी हो गई।

इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष एडवोकेट रमाकांत मिश्र, जिला महामंत्री मुख्तार सिद्दीकी बच्चा भाई समेत कई कार्यकर्ता मामूली रूप से घायल हुए। मैहर में भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सीएम का पुतला फूंका। इस प्रदर्शन में जिला अध्यक्ष धर्मेश घई और ब्लॉक अध्यक्ष प्रभात गौतम सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए।

केन्द्रीय जेल सतना में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं विजिटर बोर्ड का संयुक्त निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार रिट याचिका (सी) क्रमांक 1404/2023 सुकन्या शांता बनाम भारत संघ एवं अन्य में दिये गये निर्देशों के अनुक्रम में सोमवार को रत्नेश चन्द्र सिंह बिसेन (प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सतना), पार्थ शंकर मिश्रा (सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सतना), अजय प्रताप सिंह यादव (न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी / रजिस्ट्रार सतना), सतीश कुमार एस (जिला दण्डाधिकारी सतना), आशुतोष गुप्ता (पुलिस अधीक्षक जिला सतना), मुहम्मद जीलानी (जिला विधिक सहायता अधिकारी सतना), मनोज शुक्ला (प्रभारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सतना), आलोक सिंह (प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी सतना), बी.डी. तिवारी (जिला रोजगार अधिकारी सतना), बी.आर. सिंह (एक्जीक्यूटिव इंजीनियर पी.डब्ल्यू.डी. सतना), सौरभ सिंह (जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास सतना), आर.एल. पाण्डेय (जी.एम. इण्डस्ट्री जिला उद्योग विकास सतना) द्वारा जेल का निरीक्षण किया गया। जेल में निरूद्ध बंदियों से बातचीत की गई। उनसे जाति आधारित भेदभाव या अन्य किसी भेदभावपूर्ण व्यवहार के बारे में जानकारी ली गई। किसी भी बंदी द्वारा उनके साथ किसी भी प्रकार का जाति आधारित भेदभाव या जेल प्रशासन द्वारा किसी प्रकार के दुर्व्यवहार की शिकायत नहीं की गई। निरीक्षण दल द्वारा जेल के महिला वार्ड, जेल अस्पताल, पाकशाला, 06 नम्बर सेक्टर, जेल लीगल एड क्लीनिक का निरीक्षण किया गया। बंदियों के भोजन की गुणवत्ता, अनुशासन, व्यक्तिगत स्वच्छता, बंदियों की उपचार व्यवस्था, बंदियों को उपलब्ध विधिक सहायता, बंदियों से संबंधित रिकार्ड इत्यादि को देखा गया और सब कुछ ठीक पाया गया। जेल की व्यवस्थाओं को अच्छा पाया गया।

निरीक्षण के दौरान जेल प्रशासन से जेल अधीक्षक श्रीमती लीना कोष्टा, जेल उप अधीक्षक सोनबीर सिंह कुशवाह, कल्याण अधिकारी अनिरूद्ध कुमार तिवारी, अष्टकोण अधिकारी अभिमन्यु पाण्डेय, सहायक जेल अधीक्षक फिरोजा खातून एवं जेल स्टॉफ उपस्थित रहा।

अष्टभुजा माता के दर्शन कर लौट रहे दो भाइयों की हादसे में मौत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मऊगंज ज़िले के नईगढ़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत अष्टभुजा माता मंदिर से दर्शन कर लौट रहे रिश्ते के दो भाई सड़क हादसे का शिकार हो गए। गंभीर रूप से घायल दोनों भाइयों को उपचार के लिए रीवा के संजय गांधी अस्पताल लाया गया। जहां दोनों की मृत्यु हो गई। पुलिस मर्ग कायम कर सड़क हादसे की जांच कर रही है। घटना के संबंध में परिजन विजय कुमार साकेत ने बताया कि ग्राम जुड़मनिया थाना लौर निवासी शुक्रमणि साकेत और दिनेश साकेत बाइक से अष्टभुजा माता मंदिर में दर्शन करने गए हुए थे। जहां से लौटते वक्त अज्ञात वाहन की टक्कर से दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सड़क दुर्घटना की सूचना पर मौके पर पुलिस पहुंची और दोनों घायलों को नईगढ़ी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र उपचार के लिए लाया गया, जहां हालत गंभीर होने पर उन्हें रीवा के संजय गांधी अस्पताल रेफर कर दिया गया यहां उपचार के दौरान दोनों की मौत हो गई।

मैहर जा रहे दर्शनार्थियों का वाहन पलटा, दो दर्जन लोग घायल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहर के चोरहटा थाना क्षेत्र में हुए सड़क हादसे में दो दर्जन से ज़्यादा लोग घायल हो गए। जिसमें से कई घायलों की हालत गंभीर बताई गई है। सभी घायलों को उपचार के लिए रीवा के संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के संबंध में घायल अवधेश कुमार ने बताया कि सभी लोग उत्तर प्रदेश के सोनभद्र ज़िला अंतर्गत रघुनाथपुर गांव के निवासी हैं। गांव के 25 लोग एक पिकअप में सवार होकर देवी दर्शन करने मैहर जा रहे थे, इसी दौरान जैसे ही रीवा शहर के चोरहटा पहुंचे तभी पिकअप चालक को नींद आ गई और पिकअप आगे जा रहे ट्रक में पीछे से टकरा गई। जिसके बाद चालक ने अचानक पिकअप की स्टेयरिंग घुमा दी और पिकअप खेत में जाकर पलट गई और उसमें सवार सभी लोग घायल हो गए। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को उपचार के लिए संजय गांधी अस्पताल ले कर आई।

वाहन चेकिंग के दौरान मिली संदिग्ध बाइक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहर में वाहनों की चेकिंग के दौरान यातायात पुलिस को एक संदिग्ध बाइक मिली है। ट्रैफिक पुलिस ने इस बाइक को चोरी कर ले जाने की आशंका ज़ाहिर करते हुए उसे अमहिया थाना पुलिस के सुपुर्द किया है। जहां बाइक के दस्तावेज़ की जांच पड़ताल की जा रही है। दरअसल संदिग्ध बाइक उस वक्त मिली जब ट्रैफिक पुलिस द्वारा शहर के सिरमौर चौराहे में वाहनों की सघन चेकिंग की जा रही थी। तभी लाल रंग की अपाचे बाइक पुलिस को संदिग्ध लगी। जिसके बाद चोरी की आशंका होने पर बाइक को ज़ब्त कर लिया गया।

बेटे की साली और प्रेमी ने रची साजिश, पुलिस ने किया खुलासा

प्रेम प्रसंग का राज खुलने से डरकर की हत्या, वृद्ध का सिर पत्थर से कुचला और घोंटा गला

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के गढ़ थाना क्षेत्र के देउर कोठार के जंगल में 16 अक्टूबर को एक वृद्ध की हत्या का मामला सामने आया था। पुलिस ने पांच महीने बाद इस हत्याकांड की गुत्थी सुलझा ली है। हत्यारों ने वृद्ध का गला घोंटकर हत्या की थी और पहचान छिपाने के लिए पत्थर से कुचलकर उनके चेहरे को बिगाड़ दिया था। गढ़ पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ ब्लाइंड मर्डर का मामला दर्ज किया था। बता दें कि हत्या बेटे की साली और उसके प्रेमी ने मिलकर की थी। मृतक के परिवार ने जवा थाने में उनकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जवा पुलिस गुमशुदगी के मामले में वृद्ध की तलाश कर रही थी, जबकि गढ़ पुलिस देउर कोठार के जंगल में मिले शव की पहचान करने में लगी हुई थी।

मामले में नया मोड़ तब आया जब त्योंथर एसडीओपी उदित मिश्रा ने डभौरा एसडीओपी का अतिरिक्त प्रभार संभाला। उन्होंने जवा थाने में लंबित मामलों की समीक्षा की, जिसमें गुमशुदगी की फाइल भी शामिल थी। जब परिजनों ने गुमशुदा व्यक्ति के प्रति कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, तो उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया गया। जांच में पता चला कि गुमशुदा हरवंश केवट(65) का एक बेटा है, जिसकी शादी शंकरगढ़ में हुई हैं। बेटे की साली शोभावती केवट का वृद्ध के घर पर आना-जाना था। शोभावती केवट के पति की पहले ही मौत हो चुकी थी। इसके बाद पुलिस ने हरवंश के बेटे, उसकी पत्नी और साली से गहन पूछताछ की।

बैकुंठपुर में हुई अंधी हत्या का हुआ खुलासा

रीवा ज़िले के बैकुंठपुर थाना क्षेत्र के ग्राम सलैया में एक दिन पूर्व सत्यपाल सिंह उर्फ अर्पित की गोली मार कर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर संदेहियों को चिन्हित कर उनकी तलाश की। पकड़े गए संदेहियों योगेश शुक्ला उर्फ मोहित और संजय बसोर दोनों निवासी बरगवां, ज़िला सिंगरौली से पूछताछ की गई। आरोपियों ने बताया कि मृतक सत्यपाल सिंह से आरोपियों की अवैध पिस्टल की खरीदी की कीमत को लेकर पैसे के लेनदेन पर विवाद की स्थिति निर्मित हो गई थी, जिस पर आरोपियों ने वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने आरोपी योगेश के कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक देसी पिस्टल एवं दो ज़िंदा कारतूस एवं एक कार बरामद की है। इसके अलावा मृतक का मोबाइल भी बरामद कर लिया गया है।

मोबाइल में हत्या का वीडियो मिला: पूछताछ के दौरान, पुलिस को साली के मोबाइल में हत्या का एक वीडियो मिला, जिसमें वृद्ध के साथ मारपीट हो रही थी। वीडियो के बारे में पूछताछ करने पर पूरा मामला खुल गया। गढ़ थाने में मिले शव को दफना दिया गया था, लेकिन पहचान के लिए चप्पल और कपड़े सुरक्षित रखे गए थे। जब पुलिस ने जवा थाने में दर्ज गुमशुदगी और गढ़ थाने में हुई हत्या के तार जोड़े, तो पता चला कि दोनों मामले एक ही व्यक्ति से संबंधित हैं।

युवक के साथ थे अवैध संबंध: त्योंथर एसडीओपी उदित मिश्रा ने बताया कि जांच में पता चला कि मृतक के बेटे की साली का अंकित यादव नाम के युवक से अवैध संबंध था। वह अक्सर वृद्ध के घर आती-जाती थी, जिसकी जानकारी वृद्ध को हो गई थी। इसके अलावा, बेटे की पत्नी और वृद्ध के बीच जमीन को लेकर भी विवाद था, जिसमें साली भी शामिल थी। शोभावती केवट के पति की मौत हो चुकी थी। ऐसे में उसका प्रेम प्रसंग बहन के ससुराल के रहने वाले अंकित नाम के युवक से चलने लगा। बेटे की साली ने प्यार में रोड़ा बन रहे वृद्ध को रास्ते से हटाने की योजना बनाई। पांच महीने पहले, उसने और उसके प्रेमी अंकित यादव ने मिलकर वृद्ध को गांव से जंगल में ले जाकर गला घोंट दिया और पहचान छिपाने के लिए उनके सिर को पत्थर से कुचल दिया। जवा पुलिस ने मामले का खुलासा करने के बाद आरोपी महिला को गढ़ पुलिस को सौंप दिया है, जबकि उसका प्रेमी अंकित यादव फरार है।

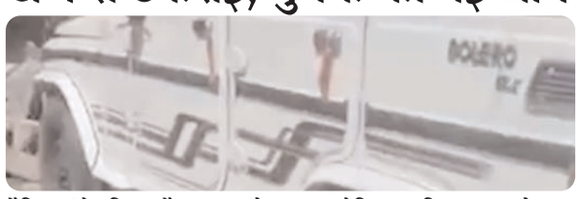

खेत में नरवाई जलाने पर प्रतिबंध

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। ज़िले में गेहूं सहित अन्य फसलों की कटाई का दौर शुरू है, ऐसे में नरवाई जलाने के मामले भी बढ़ जाते हैं, जो कि दंडनीय अपराध है। नरवाई में आग लगाने वालों पर कठोर कार्यवाही की जाएगी। ज़िला दंडाधिकारी प्रतिभा पाल ने रीवा ज़िले में धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं जो संपूर्ण ज़िले में प्रभावशील रहेगा।

बोलेरो बिजली के खंभे से टकराई, युवक की गई जान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। एक अनियंत्रित बोलेरो वाहन बिजली के खंभे से टकरा गया। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना नेशनल हाईवे क्रमांक 39 में रीवा-सीधी रोड पर गुढ़ बाईपास के पास सोमवार सुबह हुई। जानकारी के मुताबिक बोलेरो सीधी से रीवा की ओर जा रही थी। दुर्घटना की सूचना स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी। सूचना मिलते ही डायल हंड्रेड मौके पर पहुंची। प्रधान आरक्षक अयोध्या प्रजापति, सैनिक संतोष मिश्रा और डायल हंड्रेड के पायलट अंजान चतुर्वेदी ने तत्काल वहां मौजूद लोगों की मदद से गंभीर घायल को बोलेरो से बाहर निकाला। और एम्बुलेंस के माध्यम से संजय गांधी अस्पताल रीवा भिजवाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के शव को मॉर्चुरी में रखवा दिया गया। गुढ़ थाना प्रभारी शैल यादव ने बताया कि बोलेरो सवार युवक रामपुर नैकिन थाना क्षेत्र अंतर्गत भितरी गांव का निवासी है। मृतक की शिनाख्त राजेश सिंह के रूप में हुई है।

जल गंगा संवर्धन अभियान में जिले में होगी नहरों की सफाई

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।. जल गंगा संवर्धन अभियान 20 मार्च से आरंभ हो गया है। अभियान में विभिन्न विभागों के साथ-साथ जल संसाधन विभाग भी बढ़चढ़ कर योगदान दे रहा है। अभियान के तहत रीवा जिले में 13 प्रमुख सिंचाई नहरों की साफ-सफाई का कार्य 30 जून तक कराया जाएगा। इस संबंध में अधीक्षण यंत्री ने बताया कि नहरों की साफ-सफाई तथा सुधार के लिए कार्ययोजना तैयार कर ली गई है। कार्ययोजना में 13 नहरों और बांधों की साफ-सफाई का कार्य शामिल किया गया है। अधीक्षण यंत्री ने बताया कि रीवा जिले में गुढ़ तहसील में बाणसागर वृहद सिंचाई परियोजना की पुरवा नहर प्रणाली तथा गोविंदगढ़ लघु सिंचाई परियोजना की नहरों में घास की साफ-सफाई एवं एप्रोच चैनल से गाद हटाने का कार्य किया जाएगा। पड़ोखर लघु सिंचाई योजना, तमरा पहाड़ लघु सिंचाई योजना, बाणसागर की क्योटी नहर सिंचाई परियोजना में रीवा, गुढ़, मनगवां, सिरमौर, सेमरिया एवं देवतालाब तहसीलों में नहरों की साफ-सफाई का कार्य किया जाएगा। इसमें नहरों की लाइनिंग का भी कार्य शामिल किया गया है। रीवा जिले में ही बाणसागर परियोजना की त्योंथर उद्वहन नहर प्रणाली में नहर से झाड़-झंकाड़ हटाने, सिल्ट निकालने तथा नहरों से अतिक्रमण हटाने की भी कार्यवाही जल गंगा संवर्धन अभियान में की जा रही है। जरमोहरा मध्यम सिंचाई परियोजना, बाणसागर की त्योंथर फ्लो नहर प्रणाली, छदहना लघु सिंचाई परियोजना, मरघटी लघु सिंचाई परियोजना तथा शंकरगढ़ लघु सिंचाई परियोजना की नहरों और बांधों में साफ-सफाई, सुधार और अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की जा रही है। त्योंथर तहसील में लोनी लघु सिंचाई परियोजना की नहरों और बांध की साफ-सफाई का भी कार्य किया जा रहा है। जल संवर्धन अभियान के तहत सभी सिंचाई बांधों और नहरों में सुधार कार्य, एप्रोच चैनल से गाद हटाने तथा घास एवं खरपतवार की साफ-सफाई कराई जाएगी। इन कार्यों से पानी की बचत होने के साथ-साथ अधिक क्षेत्र में सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध हो सकेगा। बांधों की साफ-सफाई तथा गाद निकालने से उनकी जल संग्रहण क्षमता में वृद्धि होगी। जल गंगा संवर्धन अभियान से नहरों और छोटे बांधों को नया जीवन मिलेगा।

अंतर ज़िला महिला क्रिकेट स्पर्धा में रीवा टीम बनी चैंपियन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। स्व. मदनलाल श्रीवास्तव अंतर ज़िला क्रिकेट प्रतियोगिता महिला सीनियर का फाइनल मैच कंबाइंड डिस्ट्रिक एवं मेज़बान रीवा के बीच एम.पी. सीए मैदान में खेला गया। जिसमें रीवा शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुये 153 रनों से जीत दर्ज कर चैंपियन बना। रीवा टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करने का निर्णय लिया। परंतु कंबाइंड डिस्ट्रिक के गेंदबाज़ो ने मात्र 33 रन बनने तक रीवा के 5 बल्लेबाज़ों को आउट कर रीवा की टीम को बैकफुट पर ला दिया था। [ड्रुस्त्र] लेकिन इसके बाद बल्लेबाज़ी करने आई सारिका सिंह एवं काजल सिंह ने ज़बर्दस्त खेल दिखाया और 6वें विकेट के लिये रिकार्ड 2 सौ तैंतालीस रनों की साझेदारी बनाकर अद्भुत प्रदर्शन किया। इस विशाल लक्ष्य के सामने कंबाइंड डिस्ट्रिक की टीम 48 वे ओवर में 132 रन बनाकर आउट हो गयी। रीवा डिवीज़नल क्रिकेट एसोसिएशन के सह सचिव देवेश शुक्ला के मुख्य आतिथ्य में रीवा टीम को विजेता ट्राफी प्रदान की गयी। वहीं काजल सिंह को मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी व दोनों मैचों में कमशः नाबाद 100 रन व नाबाद 95 रन बनाने वाली सारिका सिंह को प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार प्रदान किया गया।

कन्या शिक्षा परिसर में प्रवेश के लिए आवेदन 15 अप्रैल तक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जनजातीय कार्य विभाग द्वारा शासकीय कन्या शिक्षा परिसर का संचालन किया जा रहा है। इसमें शिक्षा सत्र 2025-26 के लिए अनुसूचित जनजाति की छात्राओं को कक्षा सातवी और कक्षा नौंवी में प्रवेश का अवसर दिया रहा है। इसके लिए आवेदन 15 अप्रैल तक कार्यालयीन समय में कन्या शिक्षा परिसर में जमा किए जा सकते हैं। इस संबंध में प्राचार्य ने बताया कि अनुसूचित जनजाति की छात्राओं के लिए कक्षा सात में 19 सीटें तथा कक्षा 9 में 16 सीटें रिक्त हैं। आवेदन पत्र के साथ जन्म प्रमाण पत्र, हितग्राही प्रोफाइल पंजीयन, समग्र आईडी, पासपोर्ट आकार की 6 फोटो तथा जाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना आवश्यक होगा। आवेदन पत्र के साथ निवास प्रमाण पत्र एवं पिछली कक्षा की अंकसूची की छायाप्रति, आधार कार्ड, बैंक पासबुक के प्रथम पेज की छायाप्रति तथा अपार आईडी प्रस्तुत करना आवश्यक है। इसकी प्रवेश परीक्षा 16 अप्रैल को दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक कन्या शिक्षा परिसर रीवा में आयोजित की जाएगी। परीक्षा में मेरिट सूची के आधार पर छात्राओं को प्रवेश दिया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।